पटना ● रविवार, 09 मार्च 2025 मूल्यः 5:00, पृष्ठः 8 | वर्षः 6, अंकः62 | www.bordernewsmirror@gmail.com ☎ 9471060219, 9470050309

BORDER NEWS MIRROR
BNM
to the point...
राष्ट्रीय द्विभाषिक समाचार पत्र
RNI N.- BIHBIL/2022/88070

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

केविवि में द्वितीय अंतरराष्ट्रीय... 3 | www. bordernewsmirror.com | वेब सीरीज अक्का से कीर्ति... 7

महिला दिवस | डॉ.मोहन यादव बोले-महिलाओं के बिना समाज की कल्पना असंभव

एमपी में धर्मांतरण कराने वालों को होगी फांसी की सजा

महिला दिवस पर सीएम ने कहा-दुराचार करने वालों को छोड़ेंगे नहीं

भोपाल (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर मुख्यमंत्री मोहन यादव ने भोपाल के मिंटो हाल में एक कार्यक्रम को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि मासूम बेटियों के साथ दुराचार करने वालों को सरकार छोड़ने वाली नहीं है। दोषियों को कठोर से कठोर दंड दिलाया जा रहा है। सीएम ने मंच से कहा कि बेटियों का धर्मांतरण कराने वाले दोषियों के लिए भी मध्य प्रदेश में फांसी की सजा का प्रावधान किया जाएगा। बता दें कि अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मध्य प्रदेश की लाड़ली बहनों के लिए बेहद खास रहा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 1.27 करोड़ महिलाओं के खाते में करीब 1552.73 करोड़ और 26 लाख महिलाओं के खातों में गैस रीफिलिंग के लिए 55.95 करोड़ रुपये ट्रांसफर किए। उन्होंने उत्कृष्ट कार्य करने वाली कई महिलाओं को राष्ट्रमाता पद्मावती पुरस्कार (2023), राजमाता विजयाराजे सिंधिया समाज सेवा पुरस्कार (2023-24), रानी अवंति बाई वीरता पुरस्कार (2024) और विष्णु कुमार महिला एवं बाल कल्याण समाज सेवा सम्मान पुरस्कार (2024) से सम्मानित किया। राजधानी भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे कंवेंशन हॉल में आयोजित कार्यक्रम में हितग्राही महिलाओं ने अपने अनुभव भी सुनाए। सीएम ने ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत महिलाओं को 200 से ज्यादा ई-साइकिल दी। डिजीटल ई-न्यूज लैटर 'आजीविका अनुभूति' का विमोचन किया। उन्होंने डीडीयूजीकेवाय के अंतर्गत ट्रेनिंग ले चुकीं युवतियों को नियुक्ति पत्र भी दिए। इस मौके स्व-सहायता समूह की महिलाओं ने भी मंच से अपने अनुभव साझा किए। इन महिलाओं ने अपने संघर्ष की कहानी बताई। इस मौके पर उन्होंने स्व-सहायता समूहों के उत्पादों की प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया।

परिसीमन के खौफ में एक और सीएम ने खोला मोर्चा

रेवंत रेड्डी बोल-साउथ से बदला लेना चाह रही भाजपा

हैदराबाद (एजेंसी)। कांग्रेस शासित राज्य तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने भी 2026 में प्रस्तावित परिसीमन के मुद्दे पर तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन के सुर में सुर मिलाया है। रेवंत रेड्डी ने स्टालिन से आगे निकलते हुए आरोप लगाया है कि केंद्र की सत्ताधारी पार्टी भाजपा प्रस्तावित परिसीमन के जरिए दक्षिण के राज्यों से बदला लेना चाहती है। उन्होंने इस विवादित मुद्दे पर केंद्र सरकार से सर्वदलीय बैठक बुलाने की मांग की है। इंडिया टुडे कॉन्क्लेव 2025 में भाग लेते हुए रेवंत रेड्डी ने कहा कि परिसीमन के जरिए भाजपा संसद में दक्षिणी राज्यों का प्रतिनिधित्व कम करना चाहती है क्योंकि प्रस्तावित परिसीमन जनसंख्या के आधार पर होना है। ऐसी स्थिति में दक्षिणी राज्यों में लोकसभा सीटें कम हो सकती हैं क्योंकि साउथ के राज्यों में जनसंख्या वृद्धि नियंत्रित रही है।

दुबई में चैंपियंस ट्रॉफी का फाइनल मुकाबला आज

दुबई (एजेंसी)। रोहित शर्मा की कप्तानी में टीम इंडिया आईसीसी टूर्नामेंट में लगातार चौथा फाइनल खेलेगी। चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल में 9 मार्च को भारत का सामना दुबई में न्यूजीलैंड से होगा। रोहित टी-20 वर्ल्ड कप के रूप में एक ही खिताब जिता सके, उन्हें वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप और वनडे वर्ल्ड कप फाइनल में हार मिली। टीम इंडिया लगातार तीसरी बार चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में पहुंची है। टीम ने 2013 में खिताब जीता, लेकिन 2017 में पाकिस्तान के खिलाफ हार मिली। अब रोहित की कप्तानी में टीम के पास 12 साल बाद इस खिताब को जीतने का मौका है। रोहित शर्मा ने 2 टी-20 वर्ल्ड कप, 1 वनडे वर्ल्ड कप, 1 वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप और 1 चैंपियंस ट्रॉफी में भारत की कप्तानी की। भारत ने 30 मैच खेले, 26 जीते।

● मैं दुनिया का सबसे धनवान व्यक्ति हूं, क्योंकि...

मेरे अकाउंट में माताओं बहनों का आशीर्वाद है

महिला दिवस पर गुजरात के नवसारी में बोले पीएम मोदी

नवसारी (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महिला दिवस के अवसर पर गुजरात के नवसारी में 'लखपति दीदी सम्मेलन' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कि आज इस दिन, मैं गर्व से कह सकता हूं कि मैं दुनिया का सबसे धनवान व्यक्ति हूं। पीएम मोदी ने कहा कि जब मैं कहता हूं कि मैं दुनिया का सबसे धनवान व्यक्ति हूं, तो कई लोगों के कान खड़े हो जाएंगे। आज पूरी ट्रॉल सेना मैदान में उतर जाएगी, लेकिन मैं फिर भी दोहराऊंगा कि मैं दुनिया का सबसे धनवान व्यक्ति हूं। मेरी जिंदगी के अकाउंट में करोड़ों माताओं, बहनों-बेटियों का आशीर्वाद है और ये आशीर्वाद निरंतर बढ़ता जा रहा है, इसलिए मैं कहता हूं कि मैं दुनिया का सबसे धनवान व्यक्ति हूं। प्रधानमंत्री ने कहा कि मैं जब आप सभी से मिलता हूं तो मेरा भरोसा और पक्का हो जाता है कि विकसित भारत का संकल्प अब पूरा होकर ही रहेगा। संकल्प की सिद्धि में हमारी नारीशक्ति की सबसे बड़ी भूमिका होगी। आज समाज के स्तर पर, सरकार के स्तर पर, बड़ी-बड़ी संस्थाओं में महिलाओं के लिए ज्यादा से ज्यादा तरजीह दी गई है। राजनीति का मैदान हो या खेल का मैदान, न्यायपालिका हो या फिर पुलिस देश के हर सेक्टर में, हर आयाम में महिलाओं का परचम लहरा रहा है। मोदी ने कहा कि गांधी जी कहते थे कि देश की आत्मा ग्रामीण भारत में बसती है। आज मैं उसमें एक पंक्ति और जोड़ता हूं कि ग्रामीण भारत की आत्मा ग्रामीण नारी के सशक्तिकरण में बसती है।

फिर पैर छूने के लिए झुके बिहार के सीएम नीतिश

किसी तरह रविशंकर प्रसाद ने संभाला, संजय झा ने पकड़ा हाथ

पटना (एजेंसी)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतिश कुमार एक बार फिर पैर छूने के लिए झुके थे, तभी किसी तरह रविशंकर प्रसाद ने उन्हें संभाला। ये घटना तब हुई जब नीतिश कुमार, रविशंकर प्रसाद की ओर से आयोजित होली मिलन समारोह में शामिल होने के लिए पहुंचे थे। प्रसाद ने गेट पर ही नीतिश कुमार का स्वागत किया। सभी नेता कार्यक्रम स्थल की ओर बढ़े। अचानक नीतिश कुमार रविशंकर प्रसाद के पैर छूने के लिए झुक गए। रविशंकर प्रसाद ने तुरंत नीतिश कुमार का हाथ पकड़कर उन्हें सम्भाला। फिर दोनों नेताओं ने गले मिलकर एक-दूसरे का

वहीं पर दुआ-सलाम के बाद रविशंकर प्रसाद के पैर छूने के लिए नीतिश कुमार झुक गए, लेकिन उन्होंने किसी तरह संभाल लिया। ये पहली बार नहीं है कि जब नीतिश कुमार सार्वजनिक रूप से किसी के पैर छूने की कोशिश किए हैं। इससे पहले भी वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और जेडीयू नेता ललन सिंह के पैर छू चुके हैं। दरअसल, रविशंकर प्रसाद ने अपने पटना स्थित आवास पर होली मिलन समारोह का आयोजन किया था। इस समारोह में बीजेपी और जेडीयू के कई बड़े नेता शामिल हुए। मुख्यमंत्री नीतिश कुमार जेडीयू के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा और मंत्री विजय चौधरी के साथ इस कार्यक्रम में पहुंचे। रविशंकर अभिवादन किया। इस घटना का वीडियो भी आया है। इसमें दिख रहा है कि नीतिश कुमार रविशंकर प्रसाद के पैर छूने के लिए झुक रहे थे। रविशंकर प्रसाद की तत्परता से मामला संभल गया। इस घटना के दौरान वहां मौजूद अन्य नेता भी कुछ देर के लिए हतप्रभ रह गए। लेकिन स्थिति को संभालने के बाद सभी ने राहत की सांस ली।

कर्नाटक में इजरायली पर्यटक के साथ गैंगरेप

हंपी (एजेंसी)। कर्नाटक के प्रसिद्ध टूरिस्ट प्लेस हम्पी में 27 साल की एक इजराइली महिला टूरिस्ट और एक होम-स्टे ओनर के साथ तीन लोगों ने गैंगरेप किया। घटना 6 मार्च की रात करीब 10.30 बजे तुंगभद्रा नहर के किनारे की है। पीड़ित महिलाएं नहर के किनारे बैठी हुई थीं। महिलाओं के साथ 3 अन्य टूरिस्ट भी थे। इनमें से एक डेनियल अमेरिका से था, जबकि दो अन्य पंकज महाराष्ट्र से और बिबास ओडिशा से थे। आरोपियों ने गैंगरेप से पहले इन तीनों को नहर में धक्का दे दिया था। डेनियल और पंकज तैरकर बाहर आ गए, जबकि बिबास की डूबने से मौत हो गई। पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। एक की तलाश जारी है। बिबाश की लाश दो दिन बाद मिली पुलिस ने ओडिशा के बिबास को ढूढ़ने के लिए 7 मार्च की सुबह रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। इसमें फायरब्रिगेड के अलावा पुलिस और खोजी कुत्तों को लगाया गया।

पाकिस्तान में मुफ्ती शाह मीर की गोलियां बरसाकर हत्या

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के बलूचिस्तान के तुर्बत में अज्ञात बंदूकधारियों ने मुफ्ती शाह मीर की गोली मारकर हत्या कर दी। शाह मीर पर शुक्रवार को उस वक्त हमला हुआ, जब वह नमाज पढ़कर के बाद मस्जिद से बाहर आ रहा था।

इसी दौरान हमलावरों ने उस पर अंधाधुंल गोलियां बरसा दीं। शाह को गंभीर हालत में तुर्बत के अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। स्थानीय पुलिस का कहना है कि घटना की जांच की जा रही है और हमलावरों की तलाश के लिए ऑपरेशन शुरू किया गया है। अभी तक इस हत्या के पीछे का मकसद पता नहीं चल सका है।

मणिपुर में शांति दूर, फिर तनाव

कूकियों ने बसें रोकी, सुरक्षा बलों से की झड़प

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर में महीनों से जारी अशांति थमने का नाम नहीं ले रही है। हर बार हालात संभलने की उम्मीद जागती है, मगर फिर नया बवाल खड़ा हो जाता है। अब ताजा मामला तब गरमा गया जब सुरक्षा बलों की निगरानी में सिविलियन बसों ने जिलों के बीच सफर करना शुरू किया। इस कदम का कुकी समुदाय ने जोरदार विरोध किया और सड़कों पर जाम लगा दिया। मणिपुर में कुकी और मैतेई बहुल इलाकों में करीब 2 साल बाद फ्री ट्रैफिक मूवमेंट शुरू होते ही हिंसा भड़क उठी। इंफाल, चुराचांदपुर, कांगपोकपी, विष्णुपुर और सेनापति को जोड़ने वाली सड़कों पर शनिवार को जैसे ही बसें चलनी शुरू हुईं, कुकी समुदाय के लोगों ने इसका विरोध करना शुरू कर दिया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने आवाजाही रोकने के लिए सड़कों पर पत्थर बिछा दिए। बसों, कारों में आग लगा दी। हिंसा कर रहे लोगों को रोकने के लिए सुरक्षाबलों ने लाठीचार्ज किया और आंसूगैस के गोले दागे। सुरक्षाबलों और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प में सैकड़ों लोग घायल हुए हैं। इंफाल, चुराचांदपुर, कांग पोकपी, विष्णुपुर और सेनापति इलाकों में जा रही सरकारी बसों को सीआरपीएफ और स्थानीय पुलिस की सुरक्षा में चलाया जा रहा है। इसके अलावा रेड जोन वाले इलाकों में जगह-जगह सुरक्षाबलों की तैनाती की गई है।

दिल्ली में महिलाओं को हर महीने 2500 मिलेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली सरकार ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर महिला समृद्धि योजना लॉन्च कर दी। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में योजना शुरू करने की घोषणा की। इससे पहले शनिवार सुबह दिल्ली कैबिनेट की बैठक में योजना को मंजूरी दे दी गई थी। दिल्ली में 72 लाख महिला मतदाता हैं। अनुमान है कि करीब 20 लाख महिलाओं को इस योजना का फायदा मिलेगा। योजना लॉन्च करते हुए नड्डा ने कहा- मैं सीएम रेखा गुप्ता और अन्य लोगों को बधाई देता हूं कि दिल्ली में इस योजना को लागू करने के लिए 5100 करोड़ रुपए जारी किए गए हैं। योजना तुरंत शुरू की जाएगी। भाजपा की चुनावी सफलता में महिलाओं की भूमिका को स्वीकार करते हुए नड्डा ने कहा, दिल्ली की जीत महिलाओं के बिना संभव नहीं थी।

सोने की तस्करी मामले में सीबीआई ने शुरू की जांच

बेंगलुरु (एजेंसी)। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने राजस्व एवं खुफिया निदेशालय (डीआरआई) की सूचना के आधार पर हवाई अड्डों से सोने की तस्करी में शामिल अंतरराष्ट्रीय गिरोहों की बड़ी साजिश की जांच शुरू की है। मामले से परिचित लोगों ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि संघीय एजेंसी अभिनेत्री रान्या राव द्वारा की गई तस्करी की भी जांच कर सकती है। एक्ट्रेस पर शिकंजा कसते हुए कस्टडी में भी लिया जा सकता है। अधिकारियों ने बताया कि भ्रष्टाचार निरोधक प्रमुख जांच एजेंसी ने जांच के लिए दो टीमें पहले ही बेंगलुरु और मुंबई भेज दी हैं। एक अधिकारी ने बताया कि सीबीआई, कस्टम, पुलिस और हवाई अड्डों पर तैनात अन्य अधिकारियों सहित सरकारी कर्मचारियों की भूमिका की जांच करेगी। इसके अलावा, तस्करों के राष्ट्रीय नेटवर्क की भी जांच करेगी, जो विदेशों से सोने के परिवहन का आयोजन वहां के अपने समकक्षों की मदद से करते हैं।

नाराजगी | राहुल बोले-हमारे बब्बर शेर चेन से बंधे, यहां पार्टी नाकाम यह कहने में शर्म नहीं

बीजेपी से मिले हैं गुजरात कांग्रेस के आधे नेता

अहमदाबाद (एजेंसी)। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस लीडर राहुल गांधी ने कहा कि गुजरात में कांग्रेस की लीडरशीप में दो तरह के लोग हैं। उनमें बंटवारा है। एक हैं जो जनता के साथ खड़े हैं, जिनके दिल में कांग्रेस की विचारधारा है। दूसरे वे हैं, जो जनता से कटे हुए हैं, दूर बैठते हैं और उनमें से आधे बीजेपी से मिले हुए हैं। राहुल ने आगे कहा, मेरी जिम्मेदारी है कि जो ये दो ग्रुप हैं इनको छांटना है। कांग्रेस में नेताओं की कमी नहीं है। बब्बर शेर हैं लेकिन पीछे से चेन लगी हुई है तो वे चेन से बंधे हैं।

यहां रेस के घोड़ों को बारात में बांध दिया जाता है। राहुल दो दिन के गुजरात दौरे पर हैं। शनिवार को दौरे का दूसरा दिन है। उन्होंने अहमदाबाद के जेड हॉल में प्रदेश के करीब 2 हजार कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। महिला दिवस के मौके पर राहुल गांधी ने महिला कार्यकर्ताओं से भी मुलाकात की। गुजरात फंसा हुआ है, यह आगे बढ़ना चाहता है। गुजरात की कांग्रेस पार्टी उसको रास्ता नहीं दिखा पा रही है। मैं ये बातें डरकर नहीं बोल रहा हूं और न शरमाकर बोल रहा हूं। मगर मैं आपके सामने ये बातें रखना चाहता हूं कि चाहे राहुल गांधी हो, चाहे जनरल सेक्रेटरी हों, हम गुजरात को रास्ता नहीं दिला पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि अगर हम गुजरात की जनता की रिस्पेक्ट करते हैं, तो साफ कहना पड़ेगा कि आज तक जनता की जो उम्मीदें हमसे थीं, मुझसे थीं, वे हम पूरी नहीं कर पाए। अगर ये नहीं बोलेंगे तो हमारा गुजरात की जनता से रिश्ता नहीं बनेगा। पार्टी के अंदर दो तरह के लोग, इन्हें अलग करना होगा गुजरात की जो लीडरशीप है उसमें दो तरह के लोग हैं। जब तक अपने इन दो ग्रुपों को अलग नहीं किया तब तक गुजरात की जनता हम में विश्वास नहीं करेगी। गुजरात के किसान, मजदूर, स्टूडेंट विकल्प चाहते हैं न कि बी टीम। तो मेरी जिम्मेदारी है कि जो ये दो ग्रुप हैं इनको छांटना है।

पार्टी से 30-40 लोगों को निकालना पड़े, तो वो भी करेंगे- कांग्रेस में नेताओं की कमी नहीं है। जिला स्तर, ब्लॉक स्तर पर नेता हैं, बब्बर शेर हैं लेकिन पीछे से चेन लगी हुई है तो वे बंधे हैं। जनता ये देख रही है।

हमें जनता से रिश्ते बनाना है तो पहला काम होगा कि, ग्रुप को अलग करना होगा। 30-40 लोगों को निकालना पड़े तो ये भी करेंगे। बीजेपी के लिए अंदर से काम कर रहे हो, जाओ बाहर जाकर करो।

कानूनी पेंच में फंस सकते हैं मुकेश सहनी और तेजस्वी यादव ! नाव को लेकर विवाद

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव और विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) के संरक्षक मुकेश सहनी के खिलाफ दाखिल परिवाद को खारिज किए जाने के खिलाफ क्रिमिनल रिवीजन वाद की सुनवाई 22 मार्च को होगी. यह मामला भारतीय सार्थक पार्टी के चुनाव चिह्न के कथित दुरुपयोग से जुड़ा है.

क्या है मामला?:

भारतीय सार्थक पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सुधीर कुमार ओझा ने 18 अप्रैल 2024 को मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी (सीजेएम) कोर्ट में परिवाद दायर किया था. इसमें उन्होंने आरोप लगाया था कि वीआईपी पार्टी के नेता मुकेश सहनी और संतोष सहनी ने भारतीय सार्थक पार्टी के चुनाव चिह्न नाव का गलत तरीके से उपयोग किया.

महागठबंधन के प्रचार में इस्तेमाल किया नाव: परिवाद के अनुसार, मुकेश सहनी और संतोष सहनी ने इस चुनाव चिह्न को वापस देने का दबाव बनाया और इनकार करने पर इसे महागठबंधन (इंडिया) के प्रचार में इस्तेमाल किया. आरोप है कि तेजस्वी यादव ने भी इस कथित फर्जीवाड़े में सहयोग किया और नाव चिह्न को महागठबंधन के प्रचार-प्रसार में उपयोग किया.

पहले खारिज हुआ था मामला

मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी कोर्ट ने इस परिवाद को खारिज कर दिया था. इसके बाद सुधीर कुमार ओझा ने प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश की अदालत में क्रिमिनल रिवीजन वाद दायर किया, जिसे सुनवाई के लिए स्वीकार कर लिया गया है.

22 मार्च को सुनवाई

अब 22 मार्च को इस मामले में अगली सुनवाई होगी. यह देखना दिलचस्प होगा कि अदालत इस मामले में क्या फैसला देती है और क्या तेजस्वी यादव व मुकेश सहनी को किसी कानूनी पेंच का सामना करना पड़ सकता है.

बिहार की राजनीति में हलचल: इस मामले से बिहार की सियासत में हलचल मच गई है. लोकसभा चुनाव से पहले विपक्षी महागठबंधन के प्रमुख चेहरे तेजस्वी यादव पर लगे इस आरोप से राजनीति गरमा सकती है. वहीं, वीआईपी प्रमुख मुकेश सहनी, जो खुद को निषाद समुदाय का बड़ा नेता बताते हैं, उनके लिए भी यह मामला मुश्किलें खड़ी कर सकता है.अगली सुनवाई में क्या होगा, इस पर सबकी नजरें टिकी रहेंगी.

पटना में सड़क हादस में गर्भवती सिपाही की दर्दनाक मौत

भाई के साथ स्कूटी से जा रही ड्यूटी

पटना, एजेंसी। बिहार की राजधानी पटना में सड़क हादसा कम नहीं हो रहा है. शुक्रवार को एक गर्भवती महिला सिपाही की रोड एक्सीडेंट में दर्दनाक मौत हो गई. महिला सिपाही अपने भाई के साथ स्कूटी से जा रही थी. इसी दौरान कार ने स्कूटी में जोरदार टक्कर मार दी. महिला सिपाही डायल 112 के कंट्रोल रूम में पदस्थापित थी. पुलिस ने टक्कर मारने वाली कार के ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया है.

पटना में गर्भवती सिपाही की मौत: दरअसल, सुबह के करीब 11 बजे के करीब सचिवालय थाना अंतर्गत आईपीएस मोड के पास एक स्कूटी और चार पहिया वाहन में जोरदार टक्कर हो गयी. टक्कर लगने के कारण स्कूटी सवार भाई बहन जख्मी हो गए. लोगों ने फौरन घायल भाई-बहन को इलाज के पीएमसीएच भेजा. जहां इलाज के दौरान घायल महिला सिपाही की मौत हो गई.

भाई से साथ स्कूटी से जा रही थी ड्यूटी: बताया जाता है कि महिला डायल 112 के कंट्रोल रूम में तैनात सिपाही के पद पर है. जिसकी पहचान अलका अनुपम के रूप में हुई है. बताया जा रहा है कि सिपाही अपने भाई के साथ घर से ड्यूटी जा रही थी. उसी दरमियान आईपीएस मोड के पास एक गलत दिशा से तेज रफ्तार से जा रहे चारपहिया वाहन और स्कूटी में जोरदार टक्कर हुई. जिसके बाद वह गंभीर रूप से घायल हो गई.

7 महीने की गर्भवती थी महिला सिपाही: मृतक महिला आठ महीने की गर्भवती थी. टक्कर लगने के बाद वह सड़क पर ही तड़पने लगी. जिसके बाद मौके पर कुछ महिलाओं ने महिला सिपाही की मदद करने की पूरी कोशिश की. इसके बाद उसे इलाज के लिए तुरंत पीएमसीएच भेजा गया, जहां इलाज के क्रम में उसकी मौत हो गई है.

इंस्टाग्राम पर कुत्ते की पूंछ काटते बनाया वीडियो :कटिहार में पेटा की शिकायत

कटिहार, एजेंसी। कटिहार में सोशल मीडिया पर फेमस होने की चाह में एक युवक ने पशु क्रूरता की सारी हदें पार कर दीं। घटना प्राणपुर थाना क्षेत्र की है। जहां एक युवक ने एक कुत्ते की पूंछ काट दी और इस क्रूर कृत्य का वीडियो बनाकर इंस्टाग्राम पर वायरल कर दिया। वीडियो में दिख रहा है कि युवक एक संथाली गाने पर कुत्ते की पूंछ काट रहा है। यह वीडियो वायरल होते ही पशु अधिकार संगठन पीपल फॉर द एथिकल ट्रीटमेंट ऑफ़ एनिमल (पेटा) ने कटिहार के एसपी को मेल के जरिए शिकायत की। पेटा ने वीडियो की कॉपी भी एसपी को भेजी और कार्रवाई की मांग की। कटिहार के एसपी वैभव शर्मा ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए तुरंत कार्रवाई का आश्वासन दिया। उन्होंने बताया कि वीडियो में दिख रहे युवक की पहचान कर ली गई है।

संक्षिप्त समाचार

संपत्ति कर के 66 हजार से अधिक बकाएदारों की सूची जारी, नोटिस के साथ क्यूआर कोड दिया गया

पटना, एजेंसी। नगर निगम द्वारा संपत्ति कर जमा करने को लेकर विशेष अभियान शुरू कर दिया है। अंचलवार सभी 66,535 बकायेदारों की सूची जारी कर दी गई है। इन बकाएदारों से 28,6878075 राशि की वसूली होनी है। निगम प्रशासन ने ऐसे बकाएदारों को डिमांड नोटिस बिल दे रहा है। इस डिमांड बिल पर क्यूआर कोड भी दिया गया है, ताकि क्यूआर कोड को स्कैन करके बकाए राशि का भुगतान किया जा सके। इसकी जिम्मेदारी सभी अंचलों में सफाई पर्यवेक्षकों को दी गई है। इसके माध्यम से संपत्ति धारक घर बैठे बिल पर लगे क्यूआर कोड स्कैन कर शुल्क का भुगतान कर सकते हैं। मार्च में सभी रविवार एवं सामान्य अवकाश के दिन भी टैक्स काउंटर खुले रहेंगे। नगर निगम द्वारा वाट्सएप चैटबोट 9264447449 के माध्यम से आमजन संपत्ति कर का भुगतान कर सकते हैं। नगर निगम के वाट्सएप चैटबोट पर संपत्ति करके भुगतान एवं स्वंम निर्धारण (सेल्फ एसेसमेंट) इसकी सुविधा 24×7 दी जा रही है। नगर निगम वासियों को इस वाट्सएप चैटबोट पर भुगतान करने पर किसी तरह का अतिरिक्त शुल्क नहीं देना है। पेमेंट करने के तुरंत बाद ही रसीद भी मिलेगी।

इलाज के लिए आई महिला को गोली मारी, गंभीर

परिजन बोले–पहले के विवाद में किया गया हमला, जांच में जुटी पुलिस

सीवान, एजेंसी। सिवान में जीबी नगर तरवारा थाना क्षेत्र के जानकी नगर में एक महिला पर अज्ञात अपराधियों ने गोली चला दी। घटना में घायल महिला की पहचान मुस्तफाबाद, गोरेयाकोठी की रहने वाली नसीमा खातून के रूप में हुई है। बताया गया कि नसीमा अपना इलाज कराने के लिए मुस्तफाबाद से सिवान आई थी। जानकी नगर स्थित जोगी बाबा मोड़ के पास अज्ञात अपराधियों ने उन पर हमला कर दिया। स्थानीय लोगों ने तुरंत घायल महिला को सिवान सदर अस्पताल में भर्ती कराया। सतवार पंचायत की मुखिया मीना देवी के पति सुरेंद्र प्रसाद ने अपनी निजी गाड़ी से महिला को अस्पताल पहुंचाया। जीबी नगर तरवारा के थानाध्यक्ष रितेश मंडल ने बताया कि पुलिस घटनास्थल पर पहुंच गई है। पीड़िता और उनके परिजनों से पूर्व विवाद के बारे में पूछताछ की जा रही है। परिजनों का कहना है कि पुराने विवाद में यह हमला हुआ है। फिलहाल किसी पर नामजद आरोप नहीं लगाया गया है। पुलिस ने कहा कि आवेदन मिलते ही प्राथमिकी दर्ज कर आरोपियों की गिरफ्तारी की जाएगी।

पटना में भीषण सड़क हादसा, घायलों के मददगार बने पप्पू यादव, निजी वाहन से पहुंचाया अस्पताल

पटना, एजेंसी। शुक्रवार की रात पटना में सड़क हादसा हुआ है. राजधानी के जगदेव पथ स्थित पिलर नंबर-9 के पास बिहार सरकार लिखी सफारी गाड़ी ने ऑटो और बाइक में जोरदार टक्कर मार दी. इस हादसे में 5 लोग गंभीर रुप से घायल हो गए. वहीं, एक निजी शादी समारोह लौट रहे पूर्णिया सांसद पप्पू यादव ने घायलों को देखा तो गाड़ी रोक दी और मदद के लिए हाथ बढ़ाया.

पप्पू बने घायलों के मददगार

पप्पू यादव ने खुद आगे बढ़कर ऑटो में फंसे लोगों को बाहर निकाला. फिर अपने समर्थकों के साथ मिलकर सभी को निजी वाहन में डाला और उन घायलों का आईजीआईएमएस अस्पताल में भर्ती कराया. हालांकि इस घटना में तीन लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि दो लोग घायल हुए हैं. दोनों का फिलहाल इलाज चल रहा है.

घायलों को गाड़ी से पहुंचाया अस्पताल

पप्पू ने खुद अस्पताल पहुंचकर चिकित्सकों से बातचीत कर घायलों के समुचित इलाज सुनिश्चित कराने की कोशिश की. हालांकि इलाज में देरी और व्यवस्था को लेकर वह नाराज भी दिखे. फिलहला दोनों घायलों का इलाज चल रहा है. डॉक्टरों के मुताबिक दोनों की हालत खतरे से बाहर है.

शादी समारोह से लौट रहे थे पप्पू

बताया जाता है कि पूर्णिया सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव एक शादी समारोह से लौट रहे थे, तभी कुछ लोग मोबाइल से एक्सीडेंट का वीडियो बना रहे थे, लोगों की भीड़ को देखकर पप्पू ने अपनी गाड़ी रोकी और घायलों की मदद की. वहीं, पप्पू ने आरोप लगाया कि जिस गाड़ी ने टक्कर मारी है, उसके ड्राइवर ने शराब पी रखी थी.

हादसे में दंपती समेत 3 की मौत

इस हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई है. मरने वालों में दपती भी शामिल हैं. मृतक की पहचान एम्स नवादा निवासी 50 वर्षीय अशोक कुमार और उनकी 45 वर्षीय पत्नी पुष्पा देवी के रूप में हुई है. ये दोनों अपनी हार्डवेयर दुकान ले लौट रहे थे, तभी सफारी गाड़ी ने ऑटो और उनकी बाइक में टक्कर मार दी.

बीपीएससी 70वीं परीक्षा मामला: 18 मार्च तक टली सुनवाई

पटना, एजेंसी। पटना हाईकोर्ट में 70वीं बीपीएससी सिविल प्रारंभिक परीक्षा पुनः कराये जाने की याचिकायों पर सुनवाई 18 मार्च 2025 तक टल गई है. पप्पू कुमार व अन्य की याचिकाओं पर एक्टिंग चीफ जस्टिस आशुतोष कुमार की खंडपीठ इस संबंध में दायर जनहित याचिका सहित सभी याचिकायों पर सुनवाई की. इससे पहले जस्टिस एएस चंदेल इन मामलों पर सुनवाई कर रहे थे. लेकिन इससे सभी सम्बन्धित मामलों की सुनवाई एक्टिंग चीफ जस्टिस आशुतोष कुमार की खंडपीठ द्वारा की जाएगी.

हलफनामा दायर करने का हुआ था आदेश : इससे पूर्व जस्टिस अरविन्द कुमार चंदेल ने इन मामलों पर सुनवाई करते हुए राज्य व बीपीएससी को 30 जनवरी 2025 तक हलफनामा दायर कर स्थिति स्पष्ट करने का निर्देश दिया था. कोर्ट ने स्पष्ट किया था कि आयोग द्वारा लिए गये परीक्षा का परिणाम इस याचिका के अंतिम निर्णय पर निर्भर होगा.

बीपीएससी पर लगाया गया आरोप : वरीय अधिवक्ता वाईवी गिरी ने कोर्ट को बताया था कि इस परीक्षा में बड़े पैमाने पर धांधली हुई, लेकिन बीपीएससी न तो इन मामलों की जांच करा रही है, न ही पुनः परीक्षा लेने को तैयार है. उन्होंने बताया था कि चार लाख उम्मीदवारों की प्रारंभिक परीक्षा 912 केन्द्रों पर 13 दिसंबर 2024 को हुआ. बहुत सारे परीक्षा केंद्रो पर प्रश्नपत्र परीक्षा जारी रहने के दौरान ही लीक होने का आरोप लगाया गया लेकिन 4 जनवरी 2025 को बापू सभागार केंद्र, पटना में ही आयोग ने पुनः परीक्षा कराया. इस परीक्षा में शामिल होने वाले सभी उम्मीदवारों को 6 अंक दिये जाने का निर्णय हुआ. इसमें तीन प्रश्न गलत थे, जबकि 2 प्रश्न पिछ्ली परीक्षा से ही था, एक और प्रश्न गलत था. अधिवक्ता गिरी ने बताया कि 4 जनवरी 2025 को ली गयी परीक्षा के उम्मीदवारों को 6 अंकों का लाभ मिलेगा, जबकि अन्य उम्मीदवार इससे वंचित रहेंगे. राज्य सरकार की ओर से महाधिवक्ता पीके शाही ने बताया था कि इसी मामले में एक जनहित याचिका दायर की गयी है. उन्होंने कहा था कि दोनों याचिकायों पर एक साथ सुनवाई हो. उन्होंने बताया कि प्रश्नपत्र में गड़बड़ी पर आपत्तियां मांगी गयी है. आपत्तियों की जांच करने के बाद प्रारंभिक परीक्षा का परिणाम घोषित हो जायेगा.

18 मार्च को अगली सुनवाई : बीपीएससी की ओर से वरीय अधिवक्ता ललित किशोर ने कोर्ट को बताया था कि किसी ने सही ढंग से बीपीएससी के समक्ष शिकायत दर्ज नहीं कराई. इससे कैसे जांच की जाएगी. कोर्ट को वरीय अधिवक्ता यदुवंश गिरी ने बताया कि बीपीएससी ने सिर्फ प्रारंभिक परीक्षा का रिजल्ट घोषित कर दिया, बल्कि मुख्य परीक्षा की तारीखें भी निकाल दी है. इस मामले पर अगली सुनवाई 18 मार्च 2025 को की जाएगी.

अब अमेरिका और कनाडा के लोग भी सुधा के प्रोडक्ट का ले सकेंगे आनंद

बिहार का अपना सुधा ब्रांड हुआ लोकल से ग्लोबल

पटना, एजेंसी। आज बिहार के लिए गौरव का क्षण है. बिहार स्टेट मिल्क को ऑपरेटिव फेडरेशन लिमिटेड का प्रसिद्ध सुधा ब्रांड अब लोकल से ग्लोबल हो गया है. सुधा का घी, गुलाब जामुन एवं मखाना पहली बार संयुक्त राज्य अमेरिका और कनाडा भेजा गया है. मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने हरी झंडी दिखाकर पटना से इस खेप को रवाना किया. अमेरिका और कनाडा का पहला खेत गुजरात के मुंद्रा पोर्ट एवं पश्चिम बंगाल के कोलकाता पोर्ट से समुद्र के रास्ते भेजा जा रहा है.

48 लाख का पहला विदेशी व्यापार : पशुपालन एवं मत्स्य संसाधन विभाग के अपर मुख्य सचिव सह कॉम्फेट के अध्यक्ष डॉ एन विजयलक्ष्मी ने बताया कि अभी तक बिहार का सुधा मल्टी का वितरण बिहार, झारखंड के अलावे निकटवर्ती राज्यों उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, दिल्ली एवं पूर्वोत्तर राज्यों तक था.

जो भी सुधा का प्रोडक्ट भेजा गया है, वह अंतरराष्ट्रीय मापदंडों के अनुरूप तैयार किया गया है. पशुपालन एवं मत्स्य संसाधन विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ एन विजयलक्ष्मी ने कहा कि सुधा घी 1 किलो 5 किलो और 10 किलो के पैक साइज में, सुधा मखाना ढाई सौ ग्राम पैक साइज में

और सुधा का गुलाब जामुन 1 किलो के पैक साइज में अमेरिका और कनाडा भेजा गया है. पहली बार 48 लाख रुपए का सुधा उत्पाद, जिसमें 31.45 लाख का 5700 किलोग्राम घी, 8.30 लाख का 500 किग्रा मखाना एवं 8.25 लाख का 5000 किलोग्राम गुलाब जामुन का खेप रवाना किया जा रहा है.

उच्च क्वालिटी का प्रोडक्ट : कॉम्फेड की अध्यक्ष डॉ एन विजयलक्ष्मी ने बताया कि सुधा घी का एक्सपायरी डेट डेढ़ साल तक, गुलाब जामुन का एक्सपायरी डेट 1 साल तक का तैयार किया गया है. इन प्रोडक्टों की पैकिंग अंतरराष्ट्रीय स्तर के प्रोडक्ट के हिसाब से तैयार की गई है. उन्होंने कहा कि बिहार के लिए इसीलिए यह गौरव की बात है क्योंकि बिहार का यह अपना ब्रांड पहली बार अंतरराष्ट्रीय मार्केट में जा रहा है, जो अमेरिका और कनाडा के विभिन्न शहरों में वहां के उपभोक्ताओं के लिए उपलब्ध होंगे.

मुजफ्फरपुर समेत 6 शहरों में बनेंगे रिंग रोड, 2035 तक 3 घंटे में पटना आ–जा सकेंगे लोग

पटना, एजेंसी। बिहार में कुल 6 शहरों में रिंग रोड बनाए जाएंगे। राजधानी पटना के बाद अब राज्य के 5 अन्य शहरों में भी रिंग रोड का निर्माण होगा। प्रदेश सरकार ने पटना के अलावा दरभंगा, गया, बेगूसराय, मुजफ्फरपुर और कटिहार में रिंग रोड बनाने का निर्णय लिया है। इस दिशा में इसी साल आवश्यक कार्यवाही शुरू हो जाएगी। शुक्रवार को पथ निर्माण मंत्री नितिन नवीन ने विधानसभा में वित्तीय वर्ष 2025-26 का आय-व्यय पेश करते हुए यह घोषणा की। उन्होंने यह भी कहा कि साल 2035 तक बिहार के किसी भी कोने से अधिकतम 3 घंटे में पटना आना-जाना संभव हो सकेगा।

बगहा के पतिलार गांव में होली से पहले लगता है महामूर्खों का मेला

पश्चिम चंपारण (बगहा) , एजेंसी। रंगों का पर्व होली अलग-अलग जगहों पर अलग-अलग तरीके से मनाने की परम्परा है. बगहा के पतिलार गांव में होली की पूर्व संध्या पर पढ़े लिखे लोगों में से महामूर्ख का चयन किया जाता है. उसे महामूर्ख की उपाधि देने के उपरांत हर्षोल्लास के साथ रंग की खुशियों में लोग सराबोर होते हैं. प्रत्येक वर्ष होली की पूर्व संध्या पर पंचायत के मुखिया द्वारा इस कार्यक्रम का आयोजन होता है. उसके बाद होली मनाई जाती है.

पतिलार गांव का महामूर्ख सम्मेलन : प्रेम, आनंद, मस्ती और ठिठोली का त्योहार होली शीत ऋतु की विदाई और ग्रीष्म ऋतु के आगमन का सांकेतिक पर्व है. राग-रंग और अल्हड़पन का झरोखा बिखेरने वाले इस पर्व को अपने अंदाज में मनाने की परम्परा पश्चिम चंपारण के पतिलार गांव में भी मशहूर है. जिसे महामूर्ख होली की संज्ञा दी जाती है. दरअसल यहां होली का शुभारंभ इलाके के महामूर्ख का चयन करने के उपरांत मनाई जाती है.

45 वर्ष पहले हुई शुरुआत : पतिलार गांव के देवीदत्त मालवीय बताते हैं कि इस परम्परा की शुरुआत आज से 45 वर्ष पहले हुई. उस समय गांव के कुछ कवि इलाके के विद्वान लोगों के बारे में मजाकिया कविताएं लिख कर चौक चौराहों पर चिपकाते थे. होली की सुबह ग्रामीण इन व्यंग्यात्मक कविताओं को पढ़ कर खूब आनन्द लेते थे. आयोजन समिति के सदस्य देवीदत्त मालवीय ने बताया कि इसमें बदलाव लाते हुए ग्रामीणों ने एक स्थान का चयन किया और वहां कवि और साहित्यकारों का जुटान होने लगा. उस जगह पर बैठकर लोग व्यंग्यात्मक कविताएं एक दूसरे को सुनाने लगे. आगे चलकर इसे एक सार्वजनिक मंच दिया गया और अब प्रत्येक होली की पूर्व संध्या पर महामूर्ख होली सम्मेलन का आयोजन किया जाता है.

लोगों को रहता था व्यंग्य का इंतजार : आयोजन के सदस्य मिथिलेश उपाध्याय बताते हैं कि, मूर्ख तो पहले से मूर्ख कहलाता है लेकिन विद्वान को महामूर्ख की उपाधि देना एक अलग बात है. पहले गांव के कवियों द्वारा बाजार के मुख्य गेट पर इलाके के प्रसिद्ध और पढ़े लिखे लोगों पर व्यंग्यात्मक कविताएं चिपकाई जाती थी. जिसे पढ़कर लोग रस लेते थे. लोगों को इसका इंतजार रहता था कि इस बार होली पर किसके बारे में क्या मजाक लिखा हुआ है. बाद में इस पतिलार पंचायत के साहित्यकार और कवि एक दवा की दुकान में जमा होकर कविताएं सुनने सुनाने लगे.

शराब तस्करी मामले में आरोपी को 6 साल की जेलकोर्ट ने 1 लाख जुर्माना भी लगाय

अररिया, एजेंसी। अररिया के एडीजे सह एक्साइज-01 कोर्ट के स्पेशल जज राजीव रंजन सिंह ने एक बड़ा फैसला सुनाया है। नरपतगंज के पलासी वार्ड 2 निवासी सिकंदर कुमार बहरदार को 6 साल की सजा सुनाई गई है। आरोपी को एक लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है। जुर्माना नहीं भरने पर 6 महीने की अतिरिक्त जेल की सजा होगी। यह सजा उत्पाद केस 3494/2023 और नरपतगंज थाना कांड संख्या 585/2023 में दी गई है। मामला अक्टूबर 2023 का है। नरपतगंज पुलिस फारबिसगंज-सुपौल रोड पर वाहनों की जांच कर रही थी। एक पिकअप वाहन की तलाशी में अवैध नेपाली दिलवाले शराब मिली। आरोपी इस वाहन को फारबिसगंज से सुपौल की तरफ ले जा रहा था।

जब्त की गई शराब 30 बोरों में रखी हुई थी। इनमें 4 कार्टून के हिसाब से कुल 120 कार्टून थे। प्रत्येक बोतल 300 मिलीलीटर की थी। कुल 3600 बोतलें यानी 1080 लीटर अवैध नेपाली शराब बरामद हुई। सरकार की तरफ से एक्साइज एक्ट के स्पेशल पीपी संजय मिश्रा और उत्पाद के अधिकृत अधिवक्ता चंदन कुमार सिंह ने मामले की पैरवी की। शराब बरामदगी का मामला प्रमाणित होने पर कोर्ट ने यह सजा सुनाई है।

संक्षिप्त समाचार

श्रम कल्याण दिवस-सह-एकदिवसीय जागरूकता शिविर का आयोजन

बीएनएम। मोतिहारी। संयुक्त श्रम भवन के सभागार में श्रम कल्याण दिवस-सह-एकदिवसीय जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। उक्त शिविर का उद्घाटन श्रम अधीक्षक रमाकांत एवं कारखाना निरीक्षक, मोतिहारी अंचल आशीष भारत के द्वारा किया गया। उक्त शिविर में पूर्वी चंपारण जिलान्तर्गत पदस्थापित सभी श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी एवं कार्यालय कर्मी गण उपस्थित थे। शिविर में विभिन्न प्रखंडों से आए श्रमिकों को विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी श्रम अधीक्षक एवं श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी द्वारा दी गई। शिविर में विभाग द्वारा शुरू किए गए प्रवासी पोर्टल के बारे में जानकारी उपलब्ध कराई गई एवं अधिक से अधिक श्रमिकों का पंजीकरण उक्त पोर्टल पर करवाने हेतु प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम के अंत में बाल श्रम उन्मूलन हेतु शपथ पत्र दिलाई गई। कार्यक्रम का समापन ज्योति सिंह श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी, मोतिहारी सदर के द्वारा किया गया।

सेंट्रल बैंक ऑफ़ इंडिया क्षेत्रीय कार्यालय में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया

बीएनएम। मोतिहारी। सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, क्षेत्रीय कार्यालय, मोतिहारी में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख नरेश ठाकुर, एलडीएम गोपाल प्रसाद, मुख्य प्रबंधक सत्येंद्र कुमार पांडेय, मुख्य प्रबंधक गौतम कुमार एवं क्षेत्रीय कार्यालय के अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे। साथ ही प्रीति श्रीवास्तव, शाखा प्रमुख, चकिया शाखा, स्वाती सिन्हा, शाखा प्रमुख, एमएस कॉलेज मोतिहरी शाखा एवं अन्य उपस्थित थी। कार्यक्रम में महिला कर्मचारियों को सम्मानित एवं प्रोत्साहित किया गया तथा उनके योगदान की सराहना की गई। क्षेत्रीय प्रमुख नरेश ठाकुर ने महिलाओं की समाज एवं विशेष रूप से बैंकिंग क्षेत्र में भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि महिलाएं बैंकिंग उद्योग में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं और उनकी सशक्त भागीदारी से बैंक की प्रगति को नया आयाम मिल रहा है। इस अवसर पर महिला कर्मचारियों एवं अधिकारीयो ने भी अपने अनुभव साझा किए और बैंक में अपने योगदान को और अधिक प्रभावी बनाने की प्रतिबद्धता जताई।

संत माइकल इंग्लिश स्कूल में 150 बच्चो का होगा निशुल्क नामांकन

बीएनएम। मोतिहारी। जिले के आदापुर में शिक्षा के स्तर को ऊंचा करने और बच्चों में लीडरशिप पैदा करने के लिए हमलोगों ने संत माइकल इंग्लिश स्कूल का शाखा यहां खोले है। पहले दिन से बच्चों के अंदर आत्मविश्वास भरने व सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने का आदत लगाना है। उक्त बातें संत माइकल इंग्लिश स्कूल के प्राचार्य मनीष गजमेर ने पत्रकारों से कही। उन्होंने कहा कि पहले साल हमलोगों ने 250 बच्चों का नामांकन का लक्ष्य तय किया है। यहां के अभिभावकों के कहने पर उसमें से 150 बच्चों का नामांकन शुल्क नहीं लगेगा। 150 बच्चों के नामांकन के बाद नामांकन फी लिया जाएगा। स्कूल के चेयरमैन अरूण कुमार सिंह ने कहा कि आदापुर क्षेत्र के अभिभावक व गणमान्य लोग के विशेष मांग पर रक्सौल के संत माइकल इंग्लिश स्कूल की शाखा आदापुर में भी खोली गयी है। संत माइकल इंग्लिश स्कूल बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए दिन-रात एक कर कार्य करता है। इसका परिणाम है कि संत माइकल इंग्लिश स्कूल के प्रति अभिभावकों में विश्वास बना है। उन्होंने बताया कि आदापुर शाखा में बच्चों को बेहतर शिक्षा देने के लिए योग्य शिक्षकों का चयन किया गया है। नए सत्र के लिए नामांकन की शुरूआत कर दी गयी है। वही विद्यालय के निदेशक अजीत कुमार सिंह ने कहा कि वर्ष 2016 में रक्सौल में संत माइकल इंग्लिश स्कूल की शुरूआत की गयी। बच्चों को बेहतर शिक्षा दिया गया। जिसका परिणाम है कि आदापुर के अभिभावकों के मांग पर दूसरी शाखा की शुरूआत की गयी है। मौके पर लालबाबू सिंह, रमेश कुमार सिंह, चंदन सिंह सहित अन्य मौजूद थे।

केविवि में द्वितीय अंतरराष्ट्रीय गणितीय विज्ञान सम्मेलन का शुभारंभ

"गणित केवल संख्याओं और समीकरणों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह तर्क, अनुसंधान और नवाचार का आधार है।" : प्रो. संजय श्रीवास्तव

बीएनएम। मोतिहारी

कुलपति, एमजीसीयू महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, मोतिहारी के गणित विभाग के तत्वावधान में दिनांक 8 मार्च 2025 को द्वितीय अंतरराष्ट्रीय गणितीय विज्ञान सम्मेलन (ICAMS) 2025 का भव्य शुभारंभ हुआ। इस सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य गणितीय विज्ञान में हो रहे नवीनतम अनुसंधान, विकास एवं नवाचार को बढ़ावा देना तथा शोधकर्ताओं, शिक्षाविदों एवं गणितज्ञों को एक साझा मंच प्रदान करना है, जहां वे अपने विचारों और शोध कार्यों का आदान-प्रदान कर सके। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वंदना एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ, जो ज्ञान और प्रकाश का प्रतीक है। इसके पश्चात गणित विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. रफीक उल इस्लाम ने सभी अतिथियों, विद्वानों, शोधकर्ताओं एवं प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कहा कि, "गणितीय अनुसंधान आज के आधुनिक युग में विज्ञान और प्रौद्योगिकी का आधार है। यह सम्मेलन गणितीय मॉडलिंग, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI), क्लाउड कंप्यूटिंग, सांख्यिकी एवं अन्य तकनीकी क्षेत्रों में हो रहे नवाचारों पर केंद्रित है, जो शोधार्थियों को नई दृष्टि और शोध के नए अवसर प्रदान करेगा।"

कुलपति ने गणितीय शोध को बताया राष्ट्र निर्माण का आधार- कार्यक्रम के मुख्य संरक्षक एवं कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने अपने आशीर्वचन में गणित के ऐतिहासिक एवं वैज्ञानिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि "गणित केवल संख्याओं और समीकरणों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह अनुसंधान, नवाचार और तार्किक सोच का एक महत्वपूर्ण आधार है। प्लेटो और पाइथागोरस के कार्यों से लेकर आधुनिक युग के कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) और क्लाउड कंप्यूटिंग तक गणित की व्यापक भूमिका रही है।" उन्होंने आगे कहा कि, "यदि हमें विकसित भारत का निर्माण करना है तो गणितीय शोध और अनुसंधान को निरंतर बढ़ावा देना होगा।"

प्रख्यात गणितज्ञों और शोधकर्ताओं के व्याख्यान ने शोधार्थियों को किया प्रेरित- सम्मेलन के प्रथम दिन देश-विदेश के ख्यातिप्राप्त गणितज्ञों एवं शोधकर्ताओं ने व्याख्यान प्रस्तुत किए। इस अवसर पर आईआईटी बीएचयू के प्रो. एस. मुखोपाध्याय, एमएमएमयूटी गोरखपुर के प्रो. विनोद कुमार मिश्रा, बीआईटी मेसरा के प्रो. एस. पाधी, काशी विद्यापीठ के डॉ. वरुण कुमार, सीयूपी भटिंडा के प्रो. गौरी शंकर, तथा आईआईटी पटना के डॉ. प्रतिभामय दास ने अपने शोध कार्य प्रस्तुत किए। इन विशेषज्ञों ने गणितीय विज्ञान के क्षेत्र में हो रहे नवीनतम अनुसंधानों, चुनौतियों और अवसरों पर विस्तार से चर्चा की।

सम्मेलन के दूसरे दिन आईआईटी पटना के प्रो. ओम प्रकाश, आईआईएसईआर ओडिशा के प्रो. प्रेम प्रकाश पांडेय, बीआईटी मेसरा पटना के प्रो. पी.सी. श्रीवास्तव, दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रो. अरविंद, जीईसी गया की डॉ. श्वेता निशा, और यूनिवर्सिटी ऑफ बर्गेन, नॉर्वे के प्रो. कुंदन कुमार के व्याख्यान आयोजित किए जाएंगे।

इस द्वितीय अंतरराष्ट्रीय गणितीय विज्ञान सम्मेलन (ICAMS) 2025 के सफल आयोजन में संयोजक डॉ. राजेश प्रसाद और डॉ. अमिताभ ज्ञान रंजन ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसके अतिरिक्त आयोजन सचिव डॉ. बबीता मिश्रा एवं डॉ. शिव कुमार सिंह के नेतृत्व में संपूर्ण कार्यक्रम का उत्कृष्ट समन्वय किया गया। इस आयोजन को सफल बनाने में गणित विभाग के शोधार्थियों एवं एम.एससी. छात्रों ने अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

कुलपति ने शोधकर्ताओं से किया अधिक शोध करने का आह्वान- कार्यक्रम के अंत में कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने अपने समापन संबोधन में कहा कि, "गणितीय अनुसंधान विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार के क्षेत्र में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। ऐसे कार्यक्रम शोधकर्ताओं के लिए नए दृष्टिकोण, विचारों और शोध कार्यों के अवसर प्रदान करते हैं। महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय आगे भी ऐसे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों का आयोजन करता रहेगा ताकि हमारे शोधार्थी वैश्विक मंच पर अपनी पहचान बना सकें।"

यह सम्मेलन आगामी दो दिनों तक जारी रहेगा, जिसमें मुख्य व्याख्यान, शोध पत्र प्रस्तुतिकरण, पैनल चर्चा एवं संवाद सत्र आयोजित किए जाएंगे। इस सम्मेलन का उद्देश्य शोधकर्ताओं को गणितीय विज्ञान के क्षेत्र में नवीनतम जानकारियां प्रदान करना और अनुसंधान के नए आयामों को प्रोत्साहित करना।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर साइकिल रैली का किया गया आयोजन

बीएनएम। मोतिहारी

मोतिहारी। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर नगर में साईकिल रैली का आयोजन किया गया। साथ ही महिलाओं एवं बालिकाओं के संरक्षण हेतु शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। रैली एवं शपथ ग्रहण समारोह में महिला पुलिस पदाधिकारी/कर्मी, समाहरणालय के विभिन्न शाखा एवं शिक्षा विभाग के सैकड़ो, महिला एवं बालिकाएं शामिल हुई। रैली में शामिल होने वाली सभी प्रतिभागियों को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का लोगो युक्त टी-शर्ट एवं कैप का वितरण किया गया। जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल द्वारा रैली को संबोधित करते हुए लैंगिक समानता के लिए निर्णायक कदम उठाने पर जोर दिया गया तत्पश्चात रैली को 7:30 पूर्वाह्न में हरी झंड़ी दिखाकर रवाना किया गया, जो समाहरणालय मुख्य द्वार से बलुआ होते हुए वापस समाहरणालय परिसर में संपन्न हुआ। रैली का नेतृत्व पुलिस उपाधीक्षक कुमारी दुर्गा शक्ति द्वारा किया गया जो स्वयं साईकिल रैली में भाग लेकर बालिकाओं एवं महिलाओं को जीवन में आगे बढने कि लिए प्रेरित किया। जिला शिक्षा पदाधिकारी द्वारा बालिका शिक्षा के महत्व पर जोर देते हुए बताया गया कि शिक्षा से बड़ा कोई धन नही है। जिला प्रोग्राम पदाधिकारी-सह-नोडल पदाधिकारी, महिला एवं बाल विकास निगम कविता कुमारी द्वारा रैली में भाग लेने वाली सभी महिलाओं एवं बालिकाओं को संबोधित करते हुए बताया गया कि इस वर्ष के अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस का थीम ''सभी महिलाओं एवं बालिकाओं के लिएः अधिकार, समानता, सशक्तिकरण'' को सुनिश्चित करने का संदेश देता है। जिससे प्रत्येक महिला और बालिका को समान अवसर एवं सम्मान मिले। जिला साइकलिंग संघ के सचिव सिद्धार्थ वर्मा, संयुक्त सचिव अशोक मेहरा सहित कई साइकलिस्ट रैली में सम्मिलित हुए। उक्त रैली में पुलिस विभाग, जिला प्रशासन, शिक्षा विभाग, महिला एवं बाल विकास निगम, आईसीडीएस एवं अन्य विभागों के सभी पदाधिकारियों/कर्मियों ने जोश उमंग के साथ बढ़-चढ़ कर रैली में हिस्सा लिया। मौके पर जिला शिक्षा पदाधिकारी, प्रधानाचार्य मुजीब कन्या उच्च विद्यालय एवं प्रभावती गुप्ता उच्च विद्यालय, बाल विकास परियोजना पदाधिकारी, मोतिहारी सदर एवं कोटवा, जिला परियोजना प्रबंधक, महिला एवं बाल विकास निगम, जिला मिशन समन्वयक, DHEW, केन्द्र प्रशासक, वन स्टॉप सेंटर, महिला एवं बाल विकास निगम के सभी कर्मी एवं आईसीडीएस के सभी कर्मी एवं महिला पर्यवेक्षिका उपस्थित रहे।

बॉर्डर न्यूज़ मिरर ने मनाया पांचवा स्थापना दिवस समारोह

» निष्पक्ष व निर्भीक पत्रकारिता राष्ट्र को बनाती है मजबूत- सागर सूरज

» बीएनएम आम जनता की आवाज़ है, भ्रष्टाचार की खबरें हमारी प्राथमिकताः राकेश

बीएनएम। मोतिहारी

शहर के राजा बाजार स्थित बॉर्डर न्यूज़ मिरर कार्यालय में शनिवार को द्विभाषीय दैनिक समाचार पत्र बॉर्डर न्यूज़ मिरर (बीएनएम) का पांचवा स्थापना दिवस समारोह मनाया गया। बीएनएम के मुख्य संपादक सागर सूरज सहित जिले के सभी 27 प्रखंडों से आगत स्थानीय संवाददाताओं द्वारा संयुक्त रूप से केक काटकर "बॉर्डर न्यूज़ मिरर" के प्रकाशन की निरंतरता के प्रति वचनबद्धता व्यक्त की गयी। स्थापना दिवस के अवसर पर संपादक सागर सूरज ने कहा कि बॉर्डर न्यूज़ मिरर नैतिक मूल्यों से परिपूर्ण एवं पत्रकारिता के मापदंडों का शत-प्रतिशत अनुपालन करते हुए एक बेहतर पत्रकारिता करने का प्रयास कर रही हैं। एक निष्पक्ष व निर्भीक पत्रकारिता ही राष्ट्र को मजबूत बनाती है। वही उपसंपादक ने कहा कि बीएनएम सदा सच्चाई के लिए लड़ता रहा है, जनता की आवाज़ बन रहा है और देश के और समाज के विकास मे भागीदार हो रहा है। एक ओर जहाँ पूंजीवादी व्यवस्था में पत्रकारों को विज्ञापन एजेंट बना दिया गया है वहीं दूसरी ओर बॉर्डर न्यूज़ मिरर सीमित विज्ञापन दाताओं के सहयोग से अपनी निष्पक्ष पत्रकारिता को अक्षुण्ण बनाये रखते हुए अपना काम कर रही है। यह समाचार पत्र उत्तर बिहार में किसी परिचय का मोहताज नहीं है। उक्त मौके पर उप संपादक राकेश कुमार, जिला संवाददाता-सह- विज्ञापन प्रबंधक नीरज आनंद, अमृतेश ठाकुर, आफताब आलम, विजेन्द्र कुमार उर्फ विक्की, अवनीश कुमार सिंह, अरविंद कुमार, ओम प्रकाश कुमार, सौरभ कुमार, अमित कुमार, नितेश कुमार सहित अन्य पत्रकार शामिल रहे।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में नारी सशक्तिकरण के विविध आयामों पर हुआ मंथन

बीएनएम। मोतिहारी

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, मोतिहारी के राजनीति विज्ञान विभाग के तत्वावधान में आज दिनांक 08 मार्च 2025 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में महिला सशक्तिकरण, समानता और अधिकारों के विविध पक्षों पर गहन चर्चा की गई। कार्यक्रम के मुख्य संरक्षक एवं विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने अपने प्रेरणादायक संबोधन में कहा कि "महिलाओं के लिए वर्ष के 365 दिन महिला दिवस के समान विशेष होने चाहिए। समाज महिलाओं की भूमिका को अक्सर सीमित करने का प्रयास करता है, लेकिन हमें उस अवरोध को तोड़ना होगा। महिलाओं के योगदान और उनकी विशिष्ट पहचान को सम्मान देना हम सबकी नैतिक जिम्मेदारी है।" उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय का सतत प्रयास रहेगा कि नारी सशक्तिकरण के लिए और अधिक कार्य किए जाएं। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बिहार सरकार के आईसीडीएस (समेकित बाल विकास सेवा) की जिला कार्यक्रम पदाधिकारी श्रीमती कविता कुमारी ने शिरकत की। उन्होंने सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न महिला सशक्तिकरण योजनाओं की जानकारी साझा करते हुए कहा कि "महिलाओं के आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक सशक्तिकरण के लिए सरकार लगातार कार्य कर रही है। बेटियों को शिक्षित करना और उन्हें आत्मनिर्भर बनाना ही समाज के उज्ज्वल भविष्य का आधार है।" उन्होंने 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ', 'कन्या उत्थान योजना' और 'मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना' जैसी कई सरकारी योजनाओं पर प्रकाश डालते हुए महिलाओं को आगे बढ़ाने की अपील की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाषा एवं मानविकी संकाय के अधिष्ठाता प्रो. प्रसून दत्त सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि "भारत का वैदिक इतिहास इस बात का साक्षी है कि हमारे देश में प्रारंभ से ही स्त्रियों को समाज में समान स्थान प्राप्त था। प्राचीन काल में सभा और समितियों में महिलाओं की भागीदारी दर्शाती है कि भारतीय समाज में नारी शक्ति का कितना ऊंचा स्थान रहा है।" उन्होंने कहा कि समाज को अब पुनः अपनी सोच बदलने और महिलाओं के प्रति समानता और सम्मान का भाव विकसित करने की आवश्यकता है। इस अवसर पर राजनीति विज्ञान विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. ओमप्रकाश गुप्ता ने कहा कि "सुसंस्कृत समाज एवं सशक्त भारत को आकार देने में नारी शक्ति का योगदान अतुलनीय है। जब-जब भारत को दिशा और नेतृत्व की आवश्यकता पड़ी, तब-तब महिलाओं ने अपनी भूमिका बखूबी निभाई। नारी शक्ति ही विकसित भारत की सबसे बड़ी गारंटी है।" उन्होंने आगे कहा कि "हम सभी का दायित्व है कि महिलाओं के सम्मान, समानता और अधिकारों के प्रति पूर्णतः समर्पित रहें।" कार्यक्रम के संयोजक एवं राजनीति विज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. सरिता तिवारी ने अपने सारगर्भित धन्यवाद ज्ञापन में कहा कि "हमारे इतिहास में लोपामुद्रा, गार्गी, मैत्रेयी जैसी ऋषिकाएं हुई हैं, जिनकी ज्ञान की पराकाष्ठा पुरुष विद्वानों के समकक्ष ही नहीं बल्कि उनसे भी आगे थी। हमें यह समझना होगा कि आत्मा का कोई लिंग नहीं होता, बल्कि यह विचारधारा है जो समाज में भेदभाव को जन्म देती है।" उन्होंने कहा कि महिला सशक्तिकरण के लिए समाज की मानसिकता में बदलाव लाना अत्यंत आवश्यक है। कार्यक्रम में मंच संचालन राजनीति विज्ञान विभाग की शोध छात्रा अनिंदिता ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के आचार्यगण, शोधार्थी एवं विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के आचार्य डॉ. पंकज कुमार सिंह, डॉ. पी. ओंकार सहित अनेक शिक्षकों ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महिलाओं के अधिकार, समानता और उनके सामाजिक योगदान पर अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए राजनीति विज्ञान विभाग की पूरी टीम को सराहा गया। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिसमें आयोजकों ने उपस्थित सभी अतिथियों, वक्ताओं, शिक्षकों और छात्रों के प्रति आभार व्यक्त किया।

नाबार्ड द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम का आयोजन

बीएनएम। मोतिहारी

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर नाबार्ड के जिला विकास प्रबंधक आनंद अतिरेक द्वारा नगर के चिलवनिया में 08 मार्च, शनिवार को महिला सशक्तिकरण पर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में जीविका स्वयं सहायता समूह की सदस्याओं, जीविका सामुदायिक उत्प्रेरकों और बैंकों के प्रतिनिधियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को वित्तीय और सामाजिक रूप से सशक्त बनाना और उन्हें विभिन्न सरकारी योजनाओं के बारे में जागरूक करना था। इस कार्यक्रम ने ग्रामीण महिलाओं की उपलब्धियों को पहचानने और मान्यता देने के लिए एक मंच प्रदान किया। नाबार्ड के डीडीएम आनंद अतिरेक ने 'वादों से प्रगति की ओर' विषय पर उपस्थित महिलाओं को संबोधित किया और उन्हें उनके अधिकारों, सरकारी योजनाओं और वित्तीय समावेशन के महत्व के बारे में जानकारी दी। प्रतिभागियों को प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, स्टैंड-अप इंडिया, लखपति दीदी योजना, योजना और प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना जैसी विभिन्न सरकारी पहलों के बारे में अवगत कराया गया। बैंक अधिकारियों ने महिला उद्यमियों के लिए ऋण आवेदन प्रक्रिया, आवश्यक दस्तावेज़ और पुनर्भुगतान प्रक्रिया पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने यह भी बताया कि एस.एच.जी समूहों को रियायती दरों पर वित्तीय सहायता कैसे प्राप्त हो सकती है। कृषक विकास समिति के अध्यक्ष उमाशंकर प्रसाद ने महिलाओं को स्वयं सहायता समूह से जुड़ कर आगे बढ़ने की सलाह दी। महिलाओं को घरेलू हिंसा से सुरक्षा के लिए उपलब्ध कानूनी उपायों की जानकारी दी गई साथ ही उन्हें डिजिटल लेन-देन की सुरक्षा, बैंकिंग धोखाधड़ी से बचाव के बारे में भी शिक्षित किया गया। जीविका SHG की सदस्यों और सामुदायिक उत्प्रेरकों ने इस कार्यक्रम के लिए नाबार्ड का आभार व्यक्त किया और कहा कि यह उनके लिए एक महत्वपूर्ण अवसर था, जिससे वे विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने के प्रति अधिक जागरूक हुई हैं। कई महिलाओं ने यह भी साझा किया कि वे अब अन्य महिलाओं को भी प्रेरित करेंगी। कार्यक्रम के दौरान, कुछ महिलाओं ने अपनी सफलता की कहानियाँ भी साझा कीं, जिनमें उन्होंने बताया कि किस प्रकार सरकारी योजनाओं और बैंकिंग सहायता के माध्यम से उन्होंने अपने व्यवसाय को स्थापित किया और आत्मनिर्भरता प्राप्त की। इन प्रेरणादायक कहानियों ने अन्य महिलाओं को भी अपने जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर नाबार्ड के डीडीएम आनंद अतिरेक ने नाबार्ड की विभिन्न योजनाओं जैसे माइक्रो एंटरप्राइज डेवलपमेंट प्रोग्राम (MEDP), लाइवलीहुड एंड एंटरप्राइज डेवलपमेंट प्रोग्राम (LEDP), फार्मर्स प्रोड्यूसर ऑर्गनाइजेशन (FPO) और कौशल विकास कार्यक्रम (Skill Development Program) की जानकारी भी दी। उन्होंने बताया कि इन योजनाओं के माध्यम से महिलाएँ अपने उद्यम को आगे बढ़ा सकती हैं और आत्मनिर्भर बन सकती हैं। नाबार्ड के DDM ने आश्वासन दिया कि महिलाओं के आर्थिक विकास के लिए इस तरह के कार्यक्रमों का आयोजन भविष्य में भी किया जाता रहेगा। बैंकों और SHG सदस्यों के सहयोग से महिलाओं को स्वरोजगार और उद्यमिता की ओर प्रेरित करने के लिए और अधिक प्रयास किए जाएंगे। यह पहल न केवल महिलाओं को आवश्यक ज्ञान से सशक्त बनाने का कार्य कर रही है, बल्कि वित्तीय समावेशन और उद्यमिता विकास की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम है।

संक्षिप्त समाचार

पावापुरी में चोरी की घटनाओं में इजाफा, चार दिन में चोरों ने दो घरों को बनाया निशाना

बीएनएम। गिरियक। नगर पंचायत पावापुरी इलाके में चोरी की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं, जिससे स्थानीय लोग भय और असुरक्षा की भावना से घिर गए हैं। बीते चार दिनों में चोरों ने दो घरों को निशाना बनाकर लाखों की संपत्ति पर हाथ साफ कर दिया। चोरी की इन घटनाओं ने पुलिस प्रशासन की सतर्कता और गश्त पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

पहली वारदातः मां के निधन पर गया था परिवार, चोरों ने घर खंगाला– सहायक थाना क्षेत्र के लक्खाचक गांव के सुनील सिंह पावापुरी में घर बनाकर रह रहे हैं।पहली घटना उन्हीं के घर में घटी है जब वे अपनी मां के निधन के बाद अपने गांव गए हुए थे । इस मौके का फायदा उठाकर चोरों ने घर में घुसकर कीमती सामान और नकदी चुरा ली। जब परिवार लौटकर आया तो दरवाजे का ताला टूटा मिला और घर का सामान बिखरा हुआ था। चोरी की सूचना पुलिस को दी गई, लेकिन अभी तक कोई सुराग नहीं मिला है।

दूसरी वारदातः गृह प्रवेश से पहले ही चोरों ने घर किया साफ– दूसरी घटना और भी चौंकाने वाली है। एक परिवार अपने नए घर में गृह प्रवेश की तैयारियों में जुटा था, लेकिन उससे पहले ही चोरों ने वहां धावा बोल दिया। उपेंद्र प्रसाद के घर में रखे नकदी और अन्य सामान चोर ले उड़े। इस घटना के बाद से इलाके के लोगों में भारी आक्रोश है और वे पुलिस प्रशासन से कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

लोगों में बढ़ रही असुरक्षा, पुलिस पर उठ रहे सवाल– इन घटनाओं के बाद से पावापुरी के लोग बेहद चिंतित और डरे हुए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि चोरों के हौसले बुलंद हो चुके हैं और पुलिस प्रशासन इस पर अंकुश लगाने में नाकाम साबित हो रहा है। लोगों ने मांग की है कि पुलिस रात्रि गश्त बढ़ाए और इलाके में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करे।

पुलिस का बयानः जल्द पकड़े जाएंगे चोर– पुलिस का कहना है कि चोरी की घटनाओं की जांच जारी है और अपराधियों की धरपकड़ के लिए विशेष टीम गठित की गई है। पुलिस अधिकारियों ने भरोसा दिलाया है कि जल्द ही चोरों को गिरफ्तार कर चोरी गए सामान की बरामदगी की जाएगी। हालांकि, बढ़ती चोरियों से स्थानीय लोग डरे हुए हैं और खुद की सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं। लोग अब अपने घरों में सीसीटीवी कैमरे लगाने और सतर्क रहने की सलाह दे रहे हैं। लेकिन बड़ा सवाल यह है कि अगर पुलिस की चौकसी बढ़ाई गई होती, तो क्या ये वारदातें रोकी जा सकती थीं?

होली को लेकर सौर बाजार थाना में शांति समिति की बैठक आयोजित

बीएनएम। सहरसाः होली के मद्देनजर सौर बाजार थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता थानाध्यक्ष अजय पासवान ने की, जबकि सौर बाजार सीओ धीरज कुमार भी उपस्थित रहे। बैठक में जनप्रतिनिधियों, विभिन्न दलों के नेताओं और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने भाग लिया और अपने सुझाव प्रशासन को दिए।थानाध्यक्ष अजय पासवान ने कहा कि होली के दौरान डीजे पर डांस करने, अफवाह फैलाने या सौहार्द बिगाड़ने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल तैनात रहेगा, साथ ही सादे लिबास में भी पुलिसकर्मी निगरानी करेंगे। शराब और नशीले पदार्थों के सेवन व तस्करी पर विशेष सख्ती बरती जाएगी।सीओ धीरज कुमार ने कहा कि प्रशासन सभी जरूरी कदम उठाएगा ताकि होली का त्योहार शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण माहौल में मनाया जा सके।बैठक में मुखिया प्रतिनिधि बिजेंद्र प्रसाद यादव, जदयू प्रखंड अध्यक्ष प्रो. कैलाश प्रसाद यादव, डॉ. पन्ना कुमार, पैक्स अध्यक्ष विपिन कुमार, मो. मुस्तकीम, जदयू नेता भाईजी मेहता, मो. इस्लाम, रमन कुमार रिंकू, लक्ष्मण शर्मा, चुनचुन यदुवंशी, केशव कुमार और डॉ. कपिलदेव कुमार समेत कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

बिजली विभाग का विशेष शिविर आयोजित

बीएनएम। सहरसा। बिजली उपभोक्ताओं की शिकायतों के समाधान के लिए विद्युत विभाग ने 8 मार्च को विशेष शिविर का आयोजन किया। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य उपभोक्ताओं की समस्याओं जैसे गलत बिलिंग, खराब मीटर और गलत रीडिंग को सुधारना था।विद्युत कार्यपालक अभियंता अमित कुमार ने बताया कि हेल्पलाइन 1912 पर लगातार उपभोक्ताओं की शिकायतें मिल रही थीं। उपभोक्ताओं को गलत रीडिंग, एकमुश्त रीडिंग, गलत औसत और खराब मीटर जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा था, जिससे कई लोग बिल भुगतान में असमर्थ थे। इन समस्याओं के समाधान के लिए शिविर में विद्युत विभाग के कर्मचारी, बिलिंग एजेंसी के मीटर रीडर और भुगतान कर्मी मौजूद रहे।शिविर में अधिकतर समस्याओं का समाधान मौके पर ही किया गया, जबकि कुछ मामलों में सात दिनों के भीतर सुधारित बिल देने का आश्वासन दिया गया। इसके अलावा, नए कनेक्शन के लिए भी आवेदन स्वीकार किए गए।इस पहल से उपभोक्ताओं को बड़ी राहत मिली और भविष्य में भी ऐसे शिविर आयोजित करने की मांग उठ रही है।

मंडल कारा में विचाराधीन कैदी की मौत

बीएनएम। सहरसा। सहरसा मंडल कारा में बंद एक विचाराधीन बंदी की तबीयत बिगड़ने के बाद इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतक की पहचान नवहट्टा थाना क्षेत्र के शाहपुर पंचायत वार्ड नंबर 05 निवासी सुकून मिस्त्री (30) के रूप में हुई है, जो पिछले पांच वर्षों से जमीन विवाद में हुई हत्या के आरोप में जेल में बंद था।

रोते बिलखते मृतक के मृतक के परिजन

परिजनों ने लगाया लापरवाही का आरोप– मृतक के परिजनों का आरोप है कि सुकून मिस्त्री की तबीयत पिछले 15 दिनों से खराब थी, लेकिन जेल प्रशासन और चिकित्सकों ने गंभीरता नहीं दिखाई, जिससे उसकी जान चली गई। मृतक की पत्नी फोटो देवी ने कहा कि उन्होंने प्रशासन से अनुरोध किया था कि उनके पति को अस्पताल में कुछ दिन और रखा जाए ताकि वे उन्हें घर का खाना खिला सकें, लेकिन उनकी बात नहीं सुनी गई।

इलाज के लिए तीन बार अस्पताल में भर्ती– जेल कक्षपाल सुभाष चंद्र ने बताया कि बंदी को पहली बार 23 फरवरी को सहरसा सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां एक सप्ताह इलाज के बाद 28 फरवरी को उसे डिस्चार्ज कर दिया गया। लेकिन 5 मार्च को दोबारा तबीयत बिगड़ने पर फिर से अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों ने बेहतर इलाज के लिए मधेपुरा मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया, लेकिन वहां से 6 मार्च को उसे वापस जेल भेज दिया गया। फिर 7 मार्च की रात करीब 11 बजे जब उसकी हालत गंभीर हुई, तो उसे तीसरी बार सदर अस्पताल लाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

मजिस्ट्रेट की निगरानी में हुआ पोस्टमार्टम– घटना की जानकारी मिलते ही सदर थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जिला प्रशासन की ओर से बतौर मजिस्ट्रेट अवधेश प्रसाद ने बताया कि मेडिकल बोर्ड की निगरानी में शव का पोस्टमार्टम कराया गया है। उन्होंने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही बंदी की मौत का वास्तविक कारण स्पष्ट हो सकेगा।

मामले की हो सकती है जांच– विचाराधीन बंदी की मौत के बाद जेल प्रशासन पर लापरवाही के आरोप लग रहे हैं। यदि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में कोई संदेहास्पद कारण सामने आता है, तो मामले की जांच की जा सकती है। वहीं, मृतक के परिजनों ने दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने वाल्मीकि महोत्सव-2025 का किया उद्घाटन

बीएनएम। वाल्मीकिनगर

बिहार सरकार के कला, संस्कृति एवं युवा विभाग और जिला प्रशासन के संयुक्त देखरेख में शनिवार को वाल्मीकि महोत्सव 2025 का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने किया। मुख्यमंत्री शनिवार शाम वाल्मीकिनगर के हाई स्कूल खेल मैदान पहुंचे, जहां आयोजित मुख्य कार्यक्रम में उन्होंने हिस्सा लिया। मुख्यमंत्री मंच पर करीब 22 मिनट तक मौजूद रहे। मुख्यमंत्री के आगमन पर मंच पर मौजूद विधायकों, मंत्रियों और सांसदों ने उनका स्वागत किया। स्वागत के क्रम में बिहार गीत से मुख्यमंत्री का अभिनंदन किया गया। इसके बाद लौरिया विधायक विनय बिहारी और प्रसिद्ध लोक गायिका अनुपमा यादव ने देशभक्ति गीत प्रस्तुत कर समां बांध दिया। कार्यक्रम के दौरान बालेदु मिश्रा ने भक्ति गीत "ठुमकत चलल राम चंद्र, रामजी से पूछे जनकपुर के नारी" प्रस्तुत कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। वहीं हरिशंकर मिश्रा ने "रामनाम अति पावन है, राम करें कल्याण" जैसे भक्ति गीत प्रस्तुत किए। उनके गायन ने माहौल को भक्तिमय बना दिया। जिला प्रभारी मंत्री जनक राम, पूर्व उपमुख्यमंत्री रेणु देवी, एमएलसी शौरभ कुमार, वाल्मीकिनगर विधायक रिंकू सिंह, चनपटिया विधायक उमाकांत सिंह, एमएलसी भीष्म साहनी, बेतिया नगर निगम की मेयर गरिमा देवी शिकारिया, बगहा के नगर सभापति पुष्पा गुप्ता, उपसभापति रश्मि रंजन सहित अन्य जनप्रतिनिधि और प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे।

अवैध शराब के साथ दो गिरफ्तार, 144 टेट्रा पैक बरामद

बीएनएम। अरेराज

मलाही बाजार चौक पर शनिवार को एक बड़ी कार्रवाई में मलाही पुलिस ने दो लोगो को गिरफ्तार किया है। अभियुक्तों के पास से 144 टेट्रा पैक अवैध शराब बरामद हुई है, जिसकी कुल मात्रा 25.9 लीटर बताया गया है। गिरफ्तार अभियुक्तों के नाम दीपू कुमार (पिता रामनाथ महतो) और संजीव कुमार (पिता चंद्रिका राम) है। दोनों मलाही थाना क्षेत्र के निवासी हैं। पुलिस ने अभियुक्तों को एक मोटरसाइकिल (रजिस्ट्रेशन नंबर BR22AP1488) पर शराब ले जाते समय पकड़ा। इस कार्रवाई में चौकीदार गौरीशंकर यादव और भिखारी यादव ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने अभियुक्तों का पीछा किया और उन्हें गिरफ्तार करने में पुलिस की मदद की।

मलाही पुलिस इस मामले की जांच कर रही है और यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि अभियुक्त यह शराब कहां से लाए थे और इसे कहां ले जा रहे थे।

अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर जागरूकता बैठक

महिला दिवस पर सशक्तिकरण को लेकर जागरूकता बैठक

बीएनएम। सिकंदरा

सिकंदरा प्रखंड भूल्लो पंचायत के धनिमातरी गांव परिवार विकास की ओर से महिला दिवस पर महिला सशक्तिकरण को लेकर जागरूकता बैठक किया गया। जिसमें संस्थान के समन्वयक रामवृक्ष महतो ने बताया कि देश की सभी महिलाएं शिक्षित और सशक्त बनेगी तभी हमारा देश मजबूत होगा। परिवार रूपी गाड़ी को चलाने के लिए पुरूषों के साथ साथ महिलाओं को भी शिक्षित और स्वाबलंबी बनने की जरूरत है। तभी परिवार का सर्वांगीण विकास संभव है। क्रांति कुमारी ने बताई कि हमारे गांव में एक भी लड़की मैट्रिक पास नहीं है ना तो बगल के गांव धावाटांड में है। इसे दूर करने के लिए महिलाओं को उच्च शिक्षा के लिए पर बिशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। पुनः रामवृक्ष महतो ने बताया कि महिला दिवस एक ऐसा दिवस है जब महिलाओं के योगदान और उनके अधिकारों को मनाते हैं। यह दिन महिलाओं के संघर्षों और उपलब्धियों के लिए सम्मानित करने का अवसर पर है। महिलाओं के अधिकारों में शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और समानता शामिल है। हमें सुनिश्चित करना है कि हमारे घर की बेटियों को इन अधिकारों का पूरा लाभ मिले। चुनौतियां और समाधान, निष्कर्ष, महिलाओं को अपने अधिकारों के लिए लड़ना और समाज में समानता के लिए काम करना जरूरी है। मौके पर धुर्व कुमार एवं धनिमातरी, धावाटांड की दर्जनों महिलाएं उपस्थित थीं।

अधिकार को लेकर किया गया जागरुक

बीएनएम। बगहा

बगहा एक प्रखंड स्थित पतिलार पंचायत के पंचायत भवन में एवं बगहा में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन किया गया। पतिलार पंचायत के मुखिया पायल मिश्रा के अध्यक्षता में ग्राम सभा का आयोजन किया गया। जिसमें पंचायत की महिलाएं आशा कार्यकर्ता जीविका समूह हॉस्पिटल की एएनएम मनरेगा में कार्य करने वाली वनपोषक सहित महिलाओं की उपस्तिथि रही। पंचायत की मुखिया पायल मिश्रा ने महिलाओं को बताया की आज पूरे विश्व में महिला दिवस के रूप में मनाया जाता है, कहा की आज महिलाएं पूरे विश्व में अपना कृतिमान स्थापित कर रही है। शिक्षा के प्रसार के साथ महिलाओं ने साहित्य, विज्ञान, चिकित्सा, और खेल विज्ञान में अपनी पहचान बनाई है। आज महिलाएं घरेलू कामों से बाहर आकर हर क्षेत्र में पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर आगे बढ़ रही हैं। धरती से लेकर अंतरिक्ष तक महिलाओं का योगदान है। कल्पना चावला, सुनीता विलियम्स से लेकर देश की राष्ट्रपति तक महिला ही है। वही प्रदेश के मुख्यमंत्री ने महिला सशक्तिकरण पर विशेष ध्यान दिया है। जिसमे महिला आरक्षण, जीविका दीदीया, आशा कार्यकर्ता,सहित हर एक कार्यों में महिलाओं को प्राथमिकता दी जा रही है। ग्राम सभा के अवसर पर मुखिया ने महिलाओं और बच्चियों के बीच सेनेटरी पैड का वितरण किया । दुसरी तरफ महिला दिवस पर बगहा नगर परिषद क्षेत्र में जदयू के महिला जिलाध्यक्ष प्रेम शीला गुप्ता व जदयू के जिला महासचिव आरती निषाद के नेतृत्व में महिलाओं के बीच जन जागरुकता अभियान चला कर उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया गया। जदयू जिलाध्यक्ष व जिला महासचिव आरती निषाद ने महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि यह दिन महिलाओं और पुरुषों में समानता लाने एवं महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने का दिन है।

'शौर्य वेदनम उत्सव' सफलता पूर्वक संपन्न

बीएनएम। मोतिहारी

भारतीय सशस्त्र बलों की सैन्य शक्ति का प्रदर्शन, शौर्य वेदनाम उत्सव, 8 मार्च 2025 को समाप्त हुआ। यह पहली बार है कि बिहार के मोतिहारी में इस तरह का आयोजन किया गया है। इस बहुप्रतीक्षित दो दिवसीय उत्सव में सैन्य उपकरणों, मार्शल आर्ट, सैन्य बैंड द्वारा सामूहिक प्रदर्शन, विशेष बलों द्वारा युद्ध प्रदर्शन, मोटरसाइकिल करतब और डॉग शो और ऐसे कई अन्य आकर्षणों का शानदार प्रदर्शन किया गया। गांधी मैदान, मोतिहारी में दर्शकों को मार्शल आर्ट और नवीनतम सैन्य उपकरणों के शानदार प्रदर्शन की एक लुभावनी प्रदर्शनी देखने को मिली। उल्लेखनीय प्रदर्शनों में टी-90 टैंक, भारतीय सेना का मुख्य युद्धक टैंक, स्वदेशी के-9 वज्र स्व-चालित तोप, बीएमपी वाहन और घरेलू रूप से निर्मित हथियार लोकेटिंग रडार (डब्ल्यूएलआर) स्वाति शामिल थे। भारतीय नौसेना के कर्मियों ने आगंतुकों के साथ बातचीत की, नौसेना की त्रि-आयामी क्षमताओं के बारे में साझा किया और युवाओं को इसमें शामिल होने के लिए प्रेरित किया। नौसेना बैंड के प्रदर्शन ने सशस्त्र बलों के बीच संयुक्त कौशल को उजागर करते हुए दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। सशस्त्र बलों के सभी वीरों के बलिदान का सम्मान करते हुए एक स्मारक स्थल पर स्थापित किया गया था। आगंतुकों को हमारे सशस्त्र बलों के साहस और वीरता के बारे में जानने का मौका मिला और उन्होंने हमारे सशस्त्र बलों के शहीदों को श्रद्धांजलि दी। भारतीय वायु सेना और नौसेना के एयर क्राफ्ट कैरियर, पनडुब्बी और विध्वंसक के मॉडल भी प्रदर्शित किए गए। इस कार्यक्रम में आत्मनिर्भर भारत के तकनीक-संचालित सशस्त्र बलों पर प्रकाश डाला गया, जिसमें टैंक और आर्टिलरी गन के स्वदेशी संस्करण शामिल थे। सावधानीपूर्वक आयोजित इस कार्यक्रम में सूचनात्मक काउंटर और आकर्षक सैन्य प्रदर्शनों की एक श्रृंखला भी शामिल थी। पूर्व सैनिकों के लिए पुनर्वास निदेशालय द्वारा आयोजित जॉब फेयर ने मूल्यवान केंद्र के रूप में कार्य किया, जिसमें संसाधन, सहायता, दूसरा करियर चुनने के लिए नेटवर्किंग अवसर प्रदान किए गए। भारतीय सेना के क्षेत्रीय भर्ती कार्यालयों ने युवाओं से संपर्क किया, उन्हें करियर के अवसरों और सैन्य सेवा में नवीनतम विकास के बारे में जानकारी दी। इस दुर्लभ अवसर ने उपस्थित लोगों को हमारे सशस्त्र बलों द्वारा नियोजित अत्याधुनिक तकनीकों को प्रत्यक्ष रूप से देखने का अवसर दिया, जिससे भारतीय सशस्त्र बलों और उनकी शक्ति के बारे में गहरी समझ विकसित हुई। इस अवसर पर संसद सदस्य राधा मोहन सिंह, रक्षा संबंधी संसदीय स्थायी समिति के अध्यक्ष और सम्राट चौधरी, बिहार के उप मुख्यमंत्री उपस्थित थे।

घोसरावां में होगा श्री सूर्य नारायण महा प्रतिष्ठा यज्ञ

बीएनएम। गिरियक

» भव्य कलश यात्रा के साथ होगी यज्ञ की शुरुआत, श्रद्धालुओं में उत्साह

श्रद्धा और आस्था के प्रतीक श्री सूर्य नारायण महा प्रतिष्ठा यज्ञ का आयोजन 28 अप्रैल से 6 मई तक घोसरावां में किया जाएगा। इस धार्मिक अनुष्ठान की शुरुआत भव्य कलश यात्रा के साथ होगी, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु भाग लेंगे। इस आयोजन को लेकर गांव और आसपास के क्षेत्रों में भक्तों में भारी उत्साह देखा जा रहा है। यज्ञ समिति के सदस्यों के अनुसार, इस महायज्ञ का उद्देश्य सामाजिक सद्भाव, शांति और जनकल्याण है। आयोजन में देशभर के प्रसिद्ध वेदाचार्य और आचार्यगण भाग लेंगे, जो विधि-विधान से यज्ञ संपन्न कराएंगे। यज्ञ के दौरान प्रतिदिन हवन, प्रवचन, भजन-कीर्तन और प्रसाद वितरण का आयोजन किया जाएगा।

इस धार्मिक आयोजन को लेकर स्थानीय प्रशासन और समिति के सदस्य तैयारियों में जुटे हुए हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विशेष इंतजाम किए जा रहे हैं, जिसमें पेयजल, बैठने की व्यवस्था और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम शामिल हैं। यज्ञ के सदस्यों ने बताया कि प्रतिदिन श्रीमद्भागवत कथा और वृंदावन से प्रसिद्ध कलाकारों के द्वारा रासलीला का मंचन किया जाएगा। गांव के लोगों का मानना है कि इस प्रकार के धार्मिक आयोजन से क्षेत्र में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और जनकल्याण की भावना प्रबल होती है। आयोजन समिति ने अधिक से अधिक लोगों से यज्ञ में भाग लेकर धर्मलाभ अर्जित करने की अपील की है।

सड़क का पक्कीकरण नहीं होने से लोगों में आक्रोश

बीएनएम। लौरिया,पश्चिमी चम्पारण

एनएच सात सौ सताइस से नंदनगढ़ जाने वाली सड़क का पक्कीकरण नहीं हो सका है। विभागीय अधिकारियों का ध्यान इस छवर पर नहीं पड़ा है जिससे आज भी लगभग दो किलोमीटर सड़क मिट्टी का ही है जो बरसात के दिनों में प्रायःआवागमन बंद रहता है।इस सड़क के निर्माण हो जाने से नगर पंचायत लौरिया में जाम की समस्या का निजात हो जायेगा।एनएच सात सौ सताइस मुख्य सड़क से नंदन गढ़ सड़क में मिलने वाली छवर आज तक पक्की सड़क में तब्दील नहीं हो सकी है। ग्रामीण राजेश महतो मखन महतो ललन मदन मोतीलाल मनु दशरथ डोमा साह देव महतो गनी मियां कमरल होदा आदि ने बताया की आजादी के इतने दिनों के बाद भी इस सड़क का पक्कीकरण नहीं होने से यह सड़क आज भी मुख्य सड़क से नहीं जुड़ पाया है ।वहीं गांव की छवर वाली सड़क को पक्कीकरण करने की मांग उठने लगी है,इस संबंध में जिला पदाधिकारी सहित सड़क निर्माण विभाग का ध्यान आकृष्ट कराते हुए ग्रामीणों ने इस छवर सडक को मुख्य सड़क से जोड़ने व पक्कीकरण करने की मांग की है।

राष्ट्र निर्माण में महिलाओं की भूमिका महत्वपूर्णः अर्चना कुमारी

बीएनएम। जमुई/बरहट

नेहरू युवा केंद्र जमुई के जिला युवा अधिकारी ईशा गुप्ता के दिशा निर्देश पर अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर शनिवार को प्रखंड क्षेत्र के नवयुवक युवा क्लब गुगुलडीह में नारी शक्ति फिटनेस दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें प्रथम स्नेहा कुमारी, द्वितीय प्रियांशु कुमारी एवं तृतीय स्थान पर सनिता कुमारी रही। विजयी प्रतिभागी को प्रधानाध्यापक व शिक्षिका के हाथों सम्मानित किया गया। मौके पर प्रधानाध्यापक सत्यनारायण प्रसाद कुर्मी ने कहा कि स्वच्छ राष्ट्र निर्माण में महिलाओं की भूमिका महत्वपूर्ण है। नारी शक्ति के बिना राष्ट्र के संपूर्ण विकास की परिकल्पना मिथ्या के सामान है। आज महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी सफलता का परचम लहरा रही है। छात्राओं को पूरी तन्मयता के साथ अपने लक्ष्य के प्रति अडिग रहकर मेहनत करना चाहिए। शिक्षिका अर्चना कुमारी ने बताया कि इस वर्ष महिला दिवस का थीम सभी महिलाओं और लड़कियों के लिए अधिकार, समानता और सशक्तिकरण है। शिक्षिक बसंत सिंह ने कहा गया कि महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने व समाज में उन्हें उचित सम्मान और हक दिलाने के लिए मनाया जाता है। कार्यक्रम का उद्देश्य बाल विवाह, कन्या भ्रूण हत्या, दहेज प्रथा जैसी सामाजिक कुरीतियों से अवगत कराने के साथ-साथ नारी सशक्तिकरण पर भी चर्चा की गयी है। उपस्थित लोगों ने कार्यक्रम के जरिए शराबबंदी, बाल विवाह से क्या नुकसान होगा इसकी जानकारी देने के साथ-साथ वा बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का नारा बुलंद करते हुए बालिका शिक्षा पर जोर देने की बात कही। मौके पर समाजसेवी जनार्दन कुमार शर्मा, पूर्व एनवाईवी मुकेश राम, शिक्षक बसंत सिंह, सुभाष मंडल, शिक्षिका अर्चना कुमारी, सांता कुमारी, रीना कुमारी, रेणु कुमारी, पिंटू रावत सहित कई युवा मौजूद थे।

नई शिक्षा नीति संबंधी विवाद

कुछ ही समय पहले कर्नाटक में एक पुस्तक मेले के दौरान तमिल किताबों की बिक्री को लेकर विरोध जताया गया था। उधर हाल ही में एक बस में कन्नड़ और मराठी बोलने को लेकर हिंसा तक हुई। इन सबके सबक क्या हैं? प्रादेशिक स्वायतत्ता की उपेक्षा संबंधी दक्षिणी राज्यों की कई शिकायतों में दम है, मगर जिस तरह तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन इससे जुड़े सवालों को लेकर माहौल गरमा रहे हैं, उससे उनके इरादे पर शक होना लाजिमी है। स्टालिन लोकसभा सीटों के संभावित परिसीमन से जुड़ी आशंकाओं, नई शिक्षा नीति संबंधी विवाद, और हिंदी थोपने की कथित शिकायत को रोजाना के स्तर पर उठा रहे हैं। इस क्रम में वे अपने राज्य के लोगों को तुरंत अधिक बच्चे पैदा करने की प्रतिगामी सलाह देने की हद तक चले गए हैं। जाहिरा तौर पर केंद्र की कई नीतियों से गहराई शिकायतों में स्टालिन ने अपनी पार्टी डीएमके के लिए अवसर देखा है। संकेत साफ हैं कि साल भर बाद होने वाले विधानसभा चुनाव में वे इन्हीं भावनात्मक मुद्दों को लेकर अभियान चलाएंगे। इस क्रम में खासकर भाषा विवाद में निहित खतरों की वे पूरी उपेक्षा कर रहे हैं। उनका अभियान हिंदी के खिलाफ है- जिसमें उन्होंने हिंदी बोलियों को खा गई जैसा तथ्यहीन दावा भी किया है। (ष्ट्ठ ह्युह्लड्ढद्वद्ग) बहरहाल, ऐसे मुद्दे कैसे हालात पैदा कर रहे हैं, इस पर भी उन्हें जरूर ध्यान देना चाहिए।कुछ ही समय पहले कर्नाटक में एक पुस्तक मेले के दौरान तमिल किताबों की बिक्री को लेकर विरोध जताया गया था। उधर हाल ही में एक बस में कन्नड़ और मराठी बोलने को लेकर हिंसा तक हुई। सबक क्या है? स्पष्टतः यही कि पहचान एवं भावनाओं की राजनीति ने देश के विभिन्न हिस्सों में ऐसे मसलों को लेकर भड़काऊ माहौल बना रखा है। इसकी बड़ी जिम्मेदारी राजनेताओं और राजनीतिक दलों पर जाती है, जिन्हें ऐसे मुद्दों में वोट पाने का आसान रास्ता दिखता है। चूंकि आर्थिक और विकास नीतियों के मामलों में तमाम दलों ने समान रास्ता चुना हुआ है, वैसे में अपनी अलग प्रासंगिकता दिखाने का उन्हें यही सरल उपाय नजर आता है। लेकिन जन हित और राष्ट्र के व्यापक हित के नजरिए से यह खतरनाक खेल है।

अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर उच्छृंखलता नामंजूर

ललित गर्ग

सुप्रीम कोर्ट ने अभिव्यक्ति की आजादी से जुड़े दो अलग-अलग मामलों की सुनवाई के दौरान जो कहा, वह जहां संवैधानिक और लोकतांत्रिक मूल्यों के लिहाज से खासा अहम है वही एक संतुलित एवं आदर्श समाज व्यवस्था का आधार भी है। सुप्रीम कोर्ट ने अभिव्यक्ति की आजादी व धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने से जुड़े इन मामलों में जो फैसले किए हैं और इस दौरान जो टिप्पणियां की हैं, उसके निहितार्थों को समझने की आवश्यकता है। मंगलवार को 'मियां-टियां' और 'पाकिस्तानी' शब्दों के इस्तेमाल से जुड़ी याचिका की सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने इस मुकदमे के आरोपी कोइस आधार पर आरोप-मुक्त कर दिया कि यह भारतीय दंड सहिता की धारा 298 के तहत धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के अपराध के बराबर नहीं है। वैसे, अदालत ने इन शब्दों के प्रयोग को गैर-मुनासिब माना। एक दूसरे रणवीर इलाहाबादिया से जुड़े मामले में अश्लीलता के आरोपों पर भी सुप्रीम कोर्ट ने बेहद संतुलित लेकिन धारदार-सख्त टिप्पणी करते हुए स्पष्ट किया कि न तो अश्लीलता के लिए कोई गुंजाइश छोड़ी जानी चाहिए और न ही इसे अभिव्यक्ति की आजादी की राह में आने देना चाहिए। रणवीर इलाहाबादिया को पॉडकास्ट जारी रखने की इजाजत देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि वह नैतिकता और अश्लीलता की सीमा को लांघने की गलती न करें। सुप्रीम कोर्ट ने अभिव्यक्ति की आजादी से जुड़ी इन जटिल होती स्थितियों को गंभीरता से लिया और अनेक धुंधलकों को साफ किया है। सर्वोच्च न्यायालय के इन अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के जुड़े फैसलों रूपी उजालों का स्वागत होना ही चाहिए। यह विडम्बनापूर्ण एवं हमारी न्याय प्रक्रिया की विसंगति ही है कि एक सरकारी कर्मचारी के खिलाफ इस्तेमाल इन 'मियां-टियां' और 'पाकिस्तानी' जैसे शब्दों से जुड़े मुकदमे को निचली अदालत से सर्वोच्च न्यायालय तक का सफर तय करने में लगभग चार साल लगे, मगर दोनों पक्षों ने किसी पड़ाव पर यह समझदारी दिखाने की कोशिश नहीं की कि यह सिर्फ अहं की लड़ाई है। कांग्रेस सांसद इमरान प्रतापगढ़ी की एक कविता पर गुजरात पुलिस ने एफआईआर दर्ज की थी। गुजरात हाईकोर्ट ने भी इस मामले में जांच की जरूरत बताते हुए पुलिस कार्रवाई की पुष्टि की थी। इसे देखते हुए सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी मायने रखती है कि एफआईआर दर्ज करने से पहले संबंधित अधिकारियों एवं पुलिस को कविता पढ़नी चाहिए थी। कविता नफरत और हिंसा की नहीं, इंसाफ और इश्क की बात करती है। शीर्ष अदालत ने कहा कि आजादी के 75 साल हो गए हैं। कम से कम अब तो पुलिस को स्वतंत्र अभिव्यक्ति का मर्म समझना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट की इस बात का संदेश बिल्कुल स्पष्ट एवं न्यायसंगत है। हालांकि यह छिपी बात नहीं है कि पुलिस स्वायत्त तरीके से काम नहीं करती। अनेक कार्रवाइयां उसे सत्ता पक्ष के दबाव में करनी पड़ती हैं। इसलिए विपक्षी दलों एवं समुदाय विशेष के मामले में अगर अभिव्यक्ति की आजादी के कानून को हाशिये पर धकेल दिया या नजरअंदाज कर दिया जाता है, तो हैरानी की बात नहीं। यह कम बड़ी विडंबना नहीं कि साहित्य और कलाओं में अभिव्यक्त विचारों की व्याख्या भी अदालतों को करनी पड़ रही है। सत्ताएं सदा से अपनी आलोचना से तल्ख हो जाती रही है, ऐसी जटिल स्थितियों में आखिर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की रक्षा कौन करेगा? ऐसा पहली बार नहीं हुआ है, इससे पहले भी कई मौकों पर वाक् और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर लम्बी बहसें हो चुकी हैं, आन्दोलन तक हुए, हिंसा एवं अराजकता का माहौल बना। हर बार अदालतें पुलिस को नसीहत देती हैं, अपने दखल से समझ एवं सीख भी देती है ताकि संतुलित वातावरण बना रहे। मगर शायद उस पर संजीदगी एवं संवेदनशीलता से अमल की जरूरत न तो पुलिस ने समझी और न उग्र एवं विध्वंसक शक्तियों ने। इसी का नतीजा है कि अब भी जब तब ऐसे मामले अदालतों में पहुंच जाते हैं, जिनसे किसी की भावना के आहत होने एवं विभिन्न समुदायों के आपसी सौहार्द-सद्भावना के खण्डित होने के आरोप लगते रहते हैं, जबकि वास्तव में उनमें ऐसा कुछ नहीं होता। बेवजह नफरत, द्वेष एवं घृणा का माहौल बनता रहा है, चाहे वह फिल्मों के दृश्यों-संवादों, किसी राजनेता के बयानों, धर्मगुरुओं के बोलों या साहित्य के किसी अंश को लेकर भावनाएं आहत करने या भड़काने के आरोप किसी ऐतिहासिक-मिथकीय प्रसंग को लेकर की गई टिप्पणी पर लगते रहे हों। आज सोशल मीडिया जैसे मंचों के बेजा इस्तेमाल की प्रवृति बढ़ रही है, फेसबुक, ट्विटर, यू-ट्यूब जैसे सोशल मंचों पर ऐसी सामग्री परोसी जा रही है, जो अशिष्ट, अभद्र, हिंसक, भ्रामक, राष्ट्र-विरोधी एवं समुदाय विशेष के लोगों को आहत करने वाली होती है, जिसका उद्देश्य राष्ट्र को जोड़ना नहीं, तोड़ना है। इन सोशल मंचों पर ऐसे लोग सक्रिय हैं, जो तोड़-फोड़ की नीति में विश्वास करते हैं, वे चरित्र-हनन और गाली-गलौच जैसी औछी हरकतें करने के लिये उद्यत रहते हैं तथा उच्छृंखल एवं विध्वंसात्मक नीति अपनाते हुए अराजक माहौल बनाते हैं। एक प्रगतिशील, सभ्य एवं शालीन समाज में इस तरह की हिंसा, अश्लीलता, नफरत और भ्रामक सूचनाओं की कोई जगह नहीं होनी चाहिए, लेकिन विडम्बना है कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता कानून के चलते सरकार इन

अराजक स्थितियों पर काबू नहीं कर पा रही है। सुप्रीम कोर्ट ने सोशल मीडिया से जुड़े मंचों के दुरुपयोग पर चिंता से सहमति जताते हुए भी सेंसरशिप और नॉर्म (मानदंड) के बीच के फर्क को रेखांकित किया। उसका कहना था कि सरकार को इस संबंध में गाइडलाइंस लानी चाहिए, लेकिन ऐसा करते हुए यह भी ध्यान में रखना जरूरी है कि वे अभिव्यक्ति की आजादी पर गैरजरूरी पाबंदियों का रूप न ले लें। सुप्रीम कोर्ट के इस सख्त रुख की अहमियत इसलिए भी बढ़ जाती है क्योंकि यह ऐसे समय सामने आया है जब देश में अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर विभिन्न समुदायों का विचलन, द्वेष एवं नफरत काफी बढ़ी हुई दिख रही है। शासन प्रशासन की ओर से इन्हें रोकने की कोशिशों में भी अक्सर अति-उत्साह की झलक देखने को मिलती है। हालांकि सोशल मीडिया के ये मंच स्वस्थ लोकतंत्र के लिए एक सकारात्मक भूमिका भी निभाते देखे जाते रहे हैं। उन पर कड़ाई से बहुत सारे ऐसे लोगों के अधिकार भी बाधित होने का खतरा है, जो स्वस्थ तरीके से अपने विचार रखते और कई विचारणीय मुद्दों की तरफ ध्यान दिलाते हैं। मगर जिस तरह बड़ी संख्या में वहां उपद्रवी, हिंसक, राष्ट्रीय और सामाजिक समरसता को छिन्न-भिन्न करने वाले तत्त्व सक्रिय हो गए हैं, उससे चिंता होना स्वाभाविक है। इससे जहां नागरिकों के अभिव्यक्ति के अधिकार का उल्लंघन होता है, वहीं इसके गलत इस्तेमाल की बेजा स्थितियां भी देखने को मिलती है। शीर्ष अदालत ने याद दिलाया है कि इस अधिकार का ख्याल रखा जाए। उन पर अंकुश लगाने एवं उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई का प्रावधान करना जरूरी है। भारत की संप्रभुता और अखंडता, देश की सुरक्षा, विदेशी देशों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध, सार्वजनिक व्यवस्था, शालीनता या नैतिकता, न्यायालय की अवमानना, मानहानि या किसी अपराध के लिए उकसाने के विरुद्ध वाक् एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता नहीं दी जा सकती है। सरकार इनकी रक्षा के लिए भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर उचित प्रतिबंध लगा सकती है। सुप्रीम कोर्ट ने अभिव्यक्ति की आजादी के अधिकार के साथ-साथ सेंसरशिप के प्रति अपनी अनिच्छा को दोहराया। लेकिन यह भी कहा कि ऐसा विचार 'घटिया विचारों' और 'गंदी बातों' का लाइसेंस नहीं है। दरअसल, इन दिनों सोशल मीडिया में जिस पैमाने पर विष-वमन हो रहा है, उसने पुलिस की चुनौतियां बढ़ा दी हैं। मगर उसकी कार्रवाइयां इसलिए प्रभावी नहीं होतीं, क्योंकि राज्य-दर-राज्य उनके पीछे के राजनीतिक पक्षपात भी स्पष्ट हो जाते हैं। राज्य पुलिस अक्सर सरकार विरोधी पोस्ट के मामले में तो तत्परता दिखाती है, मगर सत्तारूढ़ दल से जुड़े लोगों की वैसी ही गतिविधियां वह नजरअंदाज कर देती है।

सूडोकु नवताल- 7364

★★★★☆ कठिन

	8			6				
					5			
		9				7		3
	1			8				2
			7		4			
6				3			8	
5		7				4		
			8					
				1			6	

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7363 का हल

9	4	5	3	1	8	7	6	2
1	8	6	7	2	5	4	9	3
2	7	3	9	4	6	8	1	5
6	3	9	1	7	4	2	5	8
5	2	4	8	9	3	6	7	1
7	1	8	6	5	2	9	3	4
4	6	7	5	8	1	3	2	9
8	9	1	2	3	7	5	4	6
3	5	2	4	6	9	1	8	7

पूरी दुनिया में एक गंभीर स्वास्थ्य संकट कैंसर

नृपेन्द्र अभिषेक नृप

कैंसर आज भारत सहित पूरी दुनिया में एक गंभीर स्वास्थ्य संकट बन चुका है। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद द्वारा किए गए हालिया विश्लेषण में यह खुलासा हुआ है कि भारत में कैंसर से होने वाली मौतों की दर चिंताजनक रूप से बढ़ रही है, विशेष रूप से महिलाओं में यह दर पुरुषों की तुलना में अधिक तेजी से बढ़ी है। ग्लोबोकैन 2022 के आंकड़ों के अनुसार, महिलाओं में कैंसर से मृत्यु दर में 1.2 फीसद से 4.4 फीसद तक वार्षिक वृद्धि हुई है, जबकि पुरु षों में यह वृद्धि 1.2 फीसद से 2.4 फीसद तक रही है। ये आंकड़े न केवल एक स्वास्थ्य आपातकाल की ओर संकेत कर रहे हैं, बल्कि सामाजिक और चिकित्सा व्यवस्था की कमियों को भी उजागर करते हैं। महिलाओं में कैंसर से बढ़ती मृत्यु दर एक जटिल समस्या है, जो केवल जैविक या चिकित्सीय कारणों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें सामाजिक, आर्थिक, जागरूकता और स्वास्थ्य सुविधाओं तक पहुंच की भी बड़ी भूमिका है। भारत में हर पांच में से तीन लोग कैंसर के निदान के बाद अपनी जान गंवा देते हैं। यह आंकड़ा इस बात की पुष्टि करता है कि कैंसर न केवल एक गंभीर रोग है, बल्कि भारत में इसका उपचार भी उतना प्रभावी नहीं हो पा रहा है। खासकर महिलाओं में यह स्थिति अधिक गंभीर होती जा रही है। ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में महिलाएं अक्सर अपने स्वास्थ्य को प्राथमिकता नहीं देतीं। परिवार की जिम्मेदारियां, सामाजिक दबाव, और आर्थिक निर्भरता उन्हें समय पर जांच और इलाज कराने से रोकते हैं। कई बार कैंसर के शुरु आती लक्षणों को नजरअंदाज कर दिया जाता है, जिससे बीमारी तब पकड़ी जाती है जब यह अपने अंतिम चरण में पहुंच चुकी होती है। महिलाओं में कैंसर की बढ़ती दर के पीछे कई महत्त्वपूर्ण कारण हैं। सबसे पहले, जागरूकता की भारी कमी एक प्रमुख कारण है। स्तन कैंसर और गर्भाशय ग्रीवा (सर्वाइकल) कैंसर जो भारत में महिलाओं में सबसे आम हैं, यदि प्रारंभिक अवस्था में पकड़ लिए जाएं, तो इनका इलाज संभव है, लेकिन दुर्भाग्यवश महिलाओं में नियमित स्वास्थ्य परीक्षण की आदत नहीं होती। आधुनिक जीवनशैली में शारीरिक गतिविधियों की कमी, असंतुलित आहार, धूम्रपान, शराब का सेवन, और अत्यधिक तनाव महिलाओं के स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव डाल रहे हैं। पहले के समय में महिलाएं अधिक शारीरिक श्रम करती थीं और उनका खान-पान भी पारंपरिक और पोषक तत्वों से भरपूर होता था, लेकिन आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में यह सब धीरे-धीरे गायब होता जा रहा है। पैक्ड और प्रोसेस्ड फूड का बढ़ता सेवन, व्यायाम की कमी, और मानसिक तनाव ने महिलाओं में कैंसर के खतरे को कई गुना बढ़ा दिया है। एक और महत्त्वपूर्ण पहलू यह है कि महिलाओं में कैंसर के कई मामले अनुवांशिक और हार्मोनल असंतुलन से भी जुड़े होते हैं। स्तन कैंसर, गर्भाशय ग्रीवा का कैंसर और अंडाशय (ओवेरियन) कैंसर मुख्य रूप से हार्मोनल परिवर्तन और अनुवांशिक प्रवृत्तियों के कारण होते हैं। महिलाओं में सबसे अधिक पाए जाने वाले कैंसर में स्तन कैंसर, गर्भाशय ग्रीवा (सर्वाइकल) कैंसर, फेफड़ों का कैंसर, अंडाशय (ओवेरियन) कैंसर और कोलोरेक्टल कैंसर शामिल हैं। ये पांच कैंसर भारत में महिलाओं की कैंसर मृत्यु दर का 44 फीसद हिस्सा बनाते हैं। स्तन कैंसर सबसे आम है और इसकी मृत्यु दर भी अधिक है, क्योंकि यह देर से पहचाना जाता है। इस गंभीर समस्या का समाधान केवल चिकित्सा उपचार तक सीमित नहीं हो सकता। इसके लिए व्यापक स्तर पर जागरूकता अभियान चलाने की जरूरत है, जिससे महिलाओं को समय पर जांच और इलाज कराने के लिए प्रेरित किया जा सके। महिलाओं को स्वयं अपनी सेहत को प्राथमिकता देने की मानसिकता विकसित करनी होगी। साथ ही, सरकार को भी इस दिशा में ठोस कदम उठाने होंगे। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता बढ़ाने के लिए मोबाइल हेल्थ वैन, निःशुल्क कैंसर जांच शिविर, और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने की आवश्यकता है। भारत में कैंसर की रोकथाम और इलाज को प्रभावी बनाने के लिए सरकार को स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार करना होगा। सरकारी अस्पतालों में अत्याधुनिक जांच और उपचार सुविधाएं उपलब्ध कराई जानी चाहिए, ताकि आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की महिलाएं भी समय पर इलाज करा सकें। इसके अलावा, एचपीवी वैक्सीन को राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रम में शामिल किया जाना चाहिए, ताकि गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर को जड़ से खत्म किया जा सके। महिलाओं को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना भी आवश्यक है। यह केवल एक चिकित्सा समस्या नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक मुद्दा भी है। इस चुनौती से निपटने के लिए सरकार, स्वास्थ्य संगठनों, समाज और स्वयं महिलाओं को मिलकर प्रयास करने होंगे।

मेष राशि- आज आपका दिन उत्साह से भरा रहने वाला है। आपका सोचा हुआ काम, आज पूरा हो जाएगा। बिजनेस साझेदार के साथ मिलकर किए गए कामों से आपको लाभ मिलेगा। साथ ही खुले मन से काम करने पर अच्छे लोग आपसे जुड़ने की कोशिश करेंगे। इस राशि के प्रॉपर्टी डीलर के लिये आज का दिन बेहतर रहेगा। समाज में आज आपको मान-सम्मान मिलेगा, आपको लोग अच्छे उदाहरण के तौर पर देखेंगे।

वृष राशि- आज आपका दिन लाभदायक रहने वाला है। मेहनत का परिणाम आपके फेवर में होगा, आपको मन मुताबिक परिणाम मिलेगा। आज खुद पर ध्यान देंगे। आज आपके विरोधी आपके सामने नतमस्तक होंगे, दोस्ती का हाथ बढ़ाएंगे। किसी काम में अपनों की मदद मिलने से आपका उत्साह बढ़ेगा। जीवनसाथी के साथ कहीं घूमने का प्लान बना सकते हैं, आपके रिश्ते में मजबूती आएगी।

मिथुन राशि- आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। आपके परिवार में नई-नई खुशियां आएंगी। संतान की सफलता आपको प्रसन्न करेगी, आपके घर लोग बधाई देने आयेंगे। घर पर पार्टी का आयोजन करेंगे। नए काम करने की सोच से आपको धन लाभ के अच्छे अवसर मिलेंगे। लोग आपकी योजना पर काम करने के लिए आपसे सलाह लेंगे, आप लोगों की अपेक्षाओं पर खरा उतरेंगे।

कर्क राशि- आज का दिन जीवन में एक नई दिशा लेकर आयेगा। आज आप किसी बात को लेकर नेतृत्व करेंगे, जिसमें अन्य लोगों का सहयोग मिलेगा। साथ ही किसी जरूरी विषय पर बातचीत भी होगी, अपनी बात कहने का मौका मिलेगा, आपके विचारों को महत्व मिलेगा। आज आपको कुछ नया सीखने को मिलेगा जो आगे चलकर काम आएगा।

सिंह राशि- आज आपके दिन की शुरुआत आपके अनुकूल होने वाली है। आज आप वर्किंग प्लेस पर खूब मेहनत करेंगे। अपनी उपलब्धियों पर गर्व महसूस होगा। प्रशासनिक कर्मचारियों के लिए आज का दिन अच्छा है।आज आपको कई जिम्मेदारियां मिलेंगी, जिन्हें आप अच्छी तरह से निभायेंगे। इस राशि के मनोरंजन उद्योग से जुड़े लोगों के लिए आज का दिन फायदेमंद होगा, आपकी क्रिएटिव फील्ड मजबूत होगी।

कन्या राशि- आज आपका दिन बहुत बढ़िया रहने वाला हैं। आपको किसी मल्टीनेशनल कंपनी से जॉब का ऑफर आ सकता है, जिससे आप कॉन्फिडेंस फील करेंगे। किसी जरूरी काम पर आज विचार करने का पूरा मौका मिलेगा। समय का पूरा सदुपयोग करें। आज आप रचनात्मक कार्य कर सकते हैं। लवमेट अपने रिश्ते की बात घर पर करेंगे, घरवाले आपके रिश्ते से सहमत होंगे।

तुला राशि- आज का दिन खुशियों से भरा रहने वाला है। आज किसी धार्मिक स्थल पर जाएंगे, जहां आप कुछ जरूरतमंद की मदद भी करेंगे। हर काम को धैर्य और समझदारी से पूरा करने की कोशिश करेंगे, जिससे आपको सफलता मिलेगी। आज किसी से मदद मांगने में संकोच न करें, सब आपके फेवर में है। आप किसी योजना की शुरुआत कर सकते हैं।

वृश्चिक राशि- आज आपके दिन की शुरुआत अच्छी होने वाली है। आज अधिकारी वर्ग का सहयोग पाने में आसानी होगी, बिगड़ते काम बनेंगे। बच्चों के प्रति आपका प्रेम। आपको उनका प्रिय बना देगा। आज आप अपनी गलतियों से कुछ सीखेंगे। अगर आप बिजनेस स्टार्ट कर रहे हैं, तो शुभ मुहूर्त में ही शुरू करें। आज आप कुछ क्रिएटिव वर्क कर सकते हैं, लोगों को आपके काम करने का तरीका पसंद आएगा।

धनु राशि- आज आपका दिन मिला-जुला रहेगा। किसी दोस्त से मिलने उसके घर जाएंगे, पुरानी यादें ताजा होंगी। आज यात्रा करने से बचने की कोशिश करें। बच्चों के साथ थोड़ा टाइम स्पेंड कर सकते हैं। प्राइवेट शिक्षक आज बच्चों को पढ़ाई के नए तरीके सिखायेंगे, छात्रों की पढ़ाई में रुचि बढ़ेगी।

मकर राशि- आज आप अपने दिन की शुरुआत शांत मन से करेंगे। पुराने लेन-देन के मामलों में आज सोच विचार करेंगे। अपने खास रिश्तेदार के घर जाएंगे जहां खुशी का माहौल बना रहेगा। आपको सरकारी क्षेत्र से लाभ होने की संभावना हैं।

कुंभ राशि- आज आपके दिन की शुरुआत अच्छे मूड के साथ होने वाली है। आज पैसों के मामले में उन्नति के नए रास्ते खुलेंगे, आपकी आर्थिक स्थिति बेहतर रहेगी। आज आप उन चीजों को ज्यादा महत्व दे जो आपके लिए ज्यादा महत्वपूर्ण हैं। साथ ही आपको अपने काम, परिवार, और दोस्तों के बीच संतुलन बना कर रखना चाहिए।

मीन राशि- आज आपका दिन नई उमंगों के साथ शुरू होने वाला है। इस राशि के जो लोग बेकरी के बिजनेस से जुड़े हैं, उन्हें आज उम्मीद से ज्यादा लाभ होगा, जिससे आर्थिक स्थिति बेहतर बनी रहेगी। कला व साहित्य से जुड़े लोगों के लिए भी आज का दिन बढ़िया रहेगा। इस राशि के स्टूडेंट्स अपने करियर को लेकर अपने गुरु से परामर्श लेंगे।

'छावा' ने तमाम भारत भक्तों को आकर्षित किया

हृदयनारायण दीक्षित

सिनेमा दृश्य श्रव्य माध्यम है। यह करोड़ों को रोजगार देता है और प्रतिभाशाली लोगों को सृजन के अवसर। लेकिन बड़े पर्दे के सिनेमा के दर्शक घटे हैं। सोशल मीडिया में अनेक रास्तों से फिल्मी दृश्य और गाने सुने-देखे जा सकते हैं। एक तरह से बहुत बड़े हाल में बैठकर अपनों के साथ फिल्म देखने का अवसर अब नहीं रहा। इधर तीन-चार फिल्में ऐसी आईं जिनमें हिंसा का अतिरेक था। कुछ वेब सीरीज में भी हिंसा और गलियों की बौछार है। ऐसे कथानक कला का आनंद नहीं देते। सभी कलाएं आनंद मार्गी हैं। गीत-संगीत चित्त में आनंद रस का सृजन करते हैं। कुछ फिल्मों की कहानी भी रुचि पैदा करती है। सिनेमा अभी लाखों दर्शकों को सम्मोहित करता है। इस पर देश के जागरूक लोगों को खुशी मनानी चाहिए कि तमाम आधुनिक उपकरणों और तरीकों के बावजूद सिनेमा अभी भी अपना स्थान पूरी प्रतिष्ठा के साथ बनाए हुए है। इस लिहाज से निर्देशक लक्ष्मण के निर्देशन में बनी फिल्म 'छावा' दर्शकों की वाहवाही लूट रही है। इस वाहवाही के अनेक कारण हैं। केवल फिल्मांकन ही नहीं। यह अभिनय की दृष्टि से भी कमजोर फिल्म नहीं है। कसे संवाद और कलाकारों का अभिनय फिल्म के आकर्षण का कारण है। फिल्म की राष्ट्रीय चर्चा है। इसका मूल कारण औरंगजेब का व्यक्तित्व है। औरंगजेब किसी एक व्यक्ति का नाम भर नहीं है। औरंगजेब का नाम लेते ही लगभग 350-400 साल पहले भारतीय संस्कृति और परम्परा को रौंदने वाले अत्याचारी शासक का चेहरा सामने आ जाता है। कथित सेकुलरों ने औरंगजेब की प्रशंसा में बहुत कुछ लिखा है। वह उसे फकीर और संत सिद्ध करने में आमादा हैं। औरंगजेब इस देश की संस्कृति को नष्ट करने के लिए ज्यादा जाना गया है। स्वयं ईश्वर की उपासना करता था लेकिन उसे हिन्दुओं को यह छूट देने पर ऐतराज था। औरंगजेब का एक भाई दारा शिकोह भारतीय संस्कृति और दर्शन का अनुरागी था। अब्बा शाहजहां ने दारा शिकोह के लिए उपनिषद् और वेदांत पढ़ने वाले आचार्यों की नियुक्ति की थी। उसके मन में इस संसार को जान लेने की जिज्ञासा थी। पिता ने ऐसी ही व्यवस्था औरंगजेब के लिए भी की थी। औरंगजेब ने अपने अध्यापक आचार्य को चिट्ठी लिखी थी कि, "मेरे पिता ने आपको मुझे दर्शनशास्त्र पढ़ाने के लिए नियुक्त किया है, जबकि दर्शन में कोई लाभप्रद बात है ही नहीं। जो विषय समझ में नहीं आते जो, समझने और याद करने में क्लिष्ठ होते हैं, वही दर्शन शास्त्र है। अच्छा होता कि आप मुझे शहर में घेरा डालने की विधि समझाते।" औरंगजेब ने अपने पिता शाहजहां को भी जेल में डाल दिया था। फिल्म छावा में भारतीय इतिहास के महत्वपूर्ण अंश को दर्शाया गया है। फिल्म के मुख्य अभिनेता विकी कौशल के अभिनय की भी प्रशंसा हो रही है। औरंगजेब के व्यक्तित्व को पर्दे पर उतारने के लिए अतिरिक्त साहस और बुद्धि की आवश्यकता थी। फिल्म के निर्देशक इस कार्य में सफल हुए हैं। औरंगजेब ने सनातन धर्म के सभी नियमों, आस्था और विश्वास को खत्म करने का काम किया था। काशी का मंदिर

ध्वस्तीकरण औरंगजेब के काले कारनामों में से एक है। मूर्ति पूजा और मंदिरों में जाना औरंगजेब की निगाह में अपराध था। हम भारत के लोग औरंगजेब की प्रशंसा नहीं सुन सकते। छत्रपति शिवाजी आराध्य हैं। फिल्म में छत्रपति शिवाजी के पुत्र की भूमिका बहुत अच्छे तरीके से की गई है। फिल्म की कहानी का मूल आधार शिवाजी सावंत द्वारा लिखे गए उपन्यास छावा पर आधारित है। इस फिल्म ने तमाम भारत भक्तों को आकर्षित किया है। इसके अलावा औरंगजेब के मूल चरित्र को भी उजागर किया है। हम भारत के लोग विजय पर्व दशहरा का उत्सव मनाते हैं। रावण के पुतले को आग लगाते हैं। इसलिए कि रावण भारतीय ज्ञान परंपरा में खलनायक माना जाता है। विजयादशमी के दिनों में देश के कोने-कोने रामलीलाएं होती हैं। देश में अत्याचार करने वाले किसी भी आताताई अपराधी की उपासना की अपेक्षा हमसे क्यों की जाती है। औरंगजेब भारतीय मध्यकाल के इतिहास का खलनायक था। लेकिन सेकुलर समूह औरंगजेब की छवि को लेकर चिंतित दिखाई पड़ते हैं। भारत की संस्कृति सभी कलाओं से भरी पूरी है। भारतीय सिनेमा भारतीय संस्कृति का हिस्सा है। यूनानी दार्शनिक अरस्तु ने लिखा है कि, "कला प्रकृति की अनुकृति है।" सही बात है। अनुसरण से कलाओं का विकास हुआ है। लेकिन भारतीय कला के शतपथ ब्राह्मण की परिभाषा जान लेने लायक है-यो वे रुपम् तत् शिल्पम परम सत्ता सब तरफ रूप रूप प्रतिरूप हो रही है। सिनेमा में तमाम प्रतिभाओं का श्रम जुड़ता है। सिनेमा आकर्षित करता है। सिनेमा के कथानक को लेकर पहले भी विरोध या समर्थन होते रहे हैं। पद्मावत फिल्म के विरोध का किस्सा लोगों को मालूम है। उस समय महारानी की छवि वैसी नहीं दिखाई गई जैसी वास्तव में है। कश्मीर फाइल्स को पूरे देश ने बहुत ध्यान से देखा था। इस कहानी में कश्मीरी पण्डितों के उत्पीड़न को फिल्माया गया था। यहां भी फिल्म के विरोधी कश्मीरी पण्डितों के उत्पीड़न के प्रकाश में आ जाने से नाराज थे। दि केरला स्टोरी नाम की फिल्म पर लगातार विवाद होता ही रहा है। दरअसल, फिल्म निर्माण के कार्य में प्रतिभाएं सुव्यवस्थित काम करती हैं। बेशक सिनेमा किसी न किसी रूप में समाज का सच दिखाता है। फिल्मकार बेशक इतिहास आधारित फिल्म निर्माण भी करते हैं, लेकिन वह इतिहास से निर्देशित नहीं होते। इतिहास की कथाएं भी इसी तरह की हैं। भारत का अब तक का उपलब्ध इतिहास अतिरेकों से भरा पूरा है। कुछ विद्वानों का कहना है कि इतिहास के पात्रों को हम फिल्म का विषय बनाकर अच्छा नहीं करते। इतिहास भूतकाल की स्मृतिजन्य विरासत है, लेकिन अब तक लिखे गए सभी इतिहासों में तथ्यों को छिपाने या अधिक उजागर करने के आरोप लगाते हैं। भारतीय इतिहास का विरूपण हुआ है।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

कैसे माही की एक सलाह ने मुझे आत्मविश्वास दिलाया: राहुल त्रिपाठी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेटर राहुल त्रिपाठी ने बताया कि कैसे पूर्व कप्तान एमएस धोनी की सलाह ने उन्हें 2017 में आईपीएल में पदार्पण के दौरान मदद की। फ्रैंचाइजी के लिए अपने पहले मैच से पहले माही ने त्रिपाठी को शांत करने में मदद की। उन्होंने कहा, अपना पहला मैच खेलने से दो दिन पहले, मैं ड्रेसिंग रूम में उन्हें देख रहा था। उन्होंने मुझे बुलाकर कहा कि मैं कुछ भी अतिरिक्त करने या सोचने की कोशिश न करूं और मुझे प्रशिक्षण के दौरान जिस तरह से खेल रहा था, उसी तरह खेलने के लिए माही ने कहा। यह देखते हुए कि यह सलाह उस कद के क्रिकेटर से आई थी और यह तथ्य कि मैं अपना पहला मैच खेलने जा रहा था, इससे मुझे बहुत आत्मविश्वास मिला। माही की इस सलाह ने वास्तव में मेरी घबराहट को शांत किया। उन्होंने कहा, मैं भाग्यशाली हूं कि मुझे उनके साथ समय बिताने का मौका मिला। क्रिकेट जगत में कई लोगों का सपना होता है कि वे उनके साथ क्रिकेट के अनुभव साझा करें और उनके साथ खेलें। उनके साथ रहकर मैंने देखा है कि वे कितने सरल हैं। लंबे इंतजार के बाद राहुल ने आखिरकार 31 साल की उम्र में जनवरी 2023 में श्रीलंका के खिलाफ टी201 सीरीज के दौरान भारत के लिए अपना अंतरराष्ट्रीय डेब्यू किया। राहुल ने कहा, मैंने कभी हार नहीं मानी। कई बार यह कठिन था और ऐसा लगा कि भारत का प्रतिनिधित्व करने का सपना सपना ही रह जाएगा है। लेकिन मैंने कोशिश करते रहने का फैसला किया और हमेशा विश्वास किया कि एक दिन मुझे वह मौका मिलेगा जिसका मैं इंतजार कर रहा था। और मुझे लगता है कि यह विश्वास ही एक कारण था कि मुझे आखिरकार मौका मिला। यह बहुत ही भावुक क्षण था। टीम के साथ 6-7 घंटे की यात्रा करने के बाद मैं आखिरकार अपना टी20आई डेब्यू करने में सक्षम हो गया। संयोग से, मैंने अपना डेब्यू पुणे में अपने घरेलू मैदान पर किया, जहां मैं बचपन से क्रिकेट खेल रहा हूं। इसलिए मुझे लगता है कि यह सब लिखा हुआ था। राहुल ने अपनी सफलता का श्रेय पूर्व भारतीय क्रिकेटर और भारतीय टीम के बल्लेबाजी कोच अभिषेक नायर को दिया। कोलकाता नाइट राइडर्स कैंप में नायर के साथ काम करने के अनुभव पर त्रिपाठी ने कहा, मुझे लगता है कि नायर ने मेरी यात्रा में सबसे बड़ा और सबसे महत्वपूर्ण योगदान दिया है। मैं उन्हें अपना बड़ा भाई मानता हूं। उनसे मिलना मेरे जीवन का बदलाव था।

आईपीएल ट्रॉफी के बिना अधूरा रहेगा विराट कोहली का करियर : एबी डिविलियर्स

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेटर विराट कोहली का शानदार करियर तब और खास हो जाएगा जब वह आरसीबी को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का खिताब जिताएंगे। यह मानना है दक्षिण अफ्रीका और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज एबी डिविलियर्स का। विराट कोहली 2008 में आईपीएल की शुरुआत से ही आरसीबी से जुड़े हुए हैं और उन्होंने 140 मैचों में टीम की कप्तानी भी की है। हालांकि, अब तक वह एक भी आईपीएल ट्रॉफी नहीं जीत पाए हैं, जिससे उनकी उपलब्धियों की सूची में यह एक अधूरा सपना बना हुआ है। विराट कोहली आईपीएल में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। उन्होंने 252 मैचों में 38.67 की औसत से 8,004 रन बनाए हैं, जिसमें 8 शतक और 55 अर्धशतक शामिल हैं। वह इस टूर्नामेंट में 6,769 रनों के साथ दूसरे स्थान पर मौजूद शिखर धवन से काफी आगे हैं। बावजूद इसके, आरसीबी 17 सीजन में एक भी बार चैंपियन नहीं बन सकी है। टीम 2009, 2011 और 2016 में तीन बार फाइनल में पहुंची थी, लेकिन हर बार उसे हार का सामना करना पड़ा। आईपीएल 2025 की शुरुआत से पहले, डिविलियर्स ने उम्मीद जताई है कि इस बार विराट अपनी टीम के लिए खिताब जीत सकते हैं। उन्होंने एक इवेंट में कहा, "विराट के खेल में नयापन और निडरता साफ दिखती है। वह अपने कम्फर्ट जोन से बाहर निकलकर नए शॉट्स आजमा रहे हैं और अपनी बल्लेबाजी को लगातार बेहतर कर रहे हैं। आरसीबी के साथ आईपीएल जीतना उनके पहले से ही शानदार करियर के लिए परफेक्ट फिनिशिंग टच होगा।" डिविलियर्स ने पिछले सीजन में कोहली के प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि उनका स्ट्राइक रेट कोई समस्या नहीं थी, बल्कि उन्होंने वही भूमिका निभाई जो टीम को उनसे चाहिए थी। उन्होंने कोहली की तुलना दिल्ली कैपिटल्स के फ्रेजर मैकगर्क से करते हुए कहा कि विराट को पारी को संभालने की जिम्मेदारी दी गई थी और उन्होंने इसे बखूबी निभाया। आरसीबी आईपीएल 2025 में अपने अभियान की शुरुआत 22 मार्च को कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ करेगी।

टिम साउदी ने किया शमी का समर्थन, कहा गेंद पर लार के प्रतिबंध को हटाया जाएं

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड के पूर्व तेज गेंदबाज टिम साउदी ने भारतीय गेंदबाज मोहम्मद शमी के उस आह्वान का समर्थन किया है, जिसमें उन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में गेंद पर लार के इस्तेमाल पर लगे प्रतिबंध को हटाने की मांग की थी। साउदी का मानना है कि इससे गेंदबाजों को रिवर्स स्विंग हासिल करने में मदद मिलेगी और खेल अधिक रोमांचक बन जाएगा। गौरतलब है कि आईसीसी ने कोविड-19 महामारी के दौरान मई 2020 में अस्थायी रूप से गेंद पर लार के उपयोग पर प्रतिबंध लगाया था, जिसे सितंबर 2022 में स्थायी कर दिया गया। हाल ही में चैंपियंस ट्रॉफी के सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत की जीत के बाद शमी ने इस प्रतिबंध को हटाने की मांग की थी। शमी ने कहा था, हम रिवर्स स्विंग हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन लार के उपयोग की अनुमति नहीं है। हम लगातार अपील कर रहे हैं कि गेंदबाजों को इसका उपयोग करने की इजाजत दी जाए, ताकि खेल में संतुलन बना रहे। अब शमी के इस बयान का समर्थन करते हुए टिम साउदी ने आईसीसी से गेंदबाजों को कुछ फायदा देने की अपील की। एक कार्यक्रम के दौरान साउदी ने कहा, यह नियम कोविड के कारण लाया गया था, लेकिन अब परिस्थितियां बदल चुकी हैं। एक गेंदबाज के तौर पर आप चाहते हैं कि आपको भी कुछ लाभ मिले। वर्तमान में टीमें 300 से अधिक रन आसानी से बना रही हैं, इसलिए गेंदबाजों को भी कुछ मदद मिलनी चाहिए। यदि लार की मदद से ऐसा संभव है, तो मुझे नहीं लगता कि इसे वापस लाने में कोई जोखिम है। ब्लैक कैप्स के इस अनुभवी तेज गेंदबाज ने यह भी बताया कि सफेद गेंद की तुलना में लाल गेंद वाले क्रिकेट में लार का उपयोग अधिक प्रभावी होता है। उन्होंने कहा, सफेद गेंद से स्विंग केवल शुरुआती ओवरों तक ही सीमित रहती है, लेकिन लाल गेंद के साथ यह लंबे समय तक प्रभावी रह सकती है। इसके अलावा, दुनिया के कुछ हिस्सों में पसीना पर्याप्त नहीं निकलता, जबकि लार का उपयोग हर परिस्थिति में संभव है। साउदी की इस टिप्पणी के बाद क्रिकेट जगत में एक नई बहस छिड़ गई है। कई पूर्व और वर्तमान गेंदबाज भी इस मुद्दे पर अपनी राय रख सकते हैं। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि आईसीसी इस मांग पर क्या निर्णय लेती है।

चोटिल ब्रायडन की जगह वियान मुल्डर सनराइजर्स में शामिल

मुंबई। चोट के कारण इंग्लैंड के तेज गेंदबाज ब्रायडन कार्स इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) ने दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज वियान मुल्डर को अपनी टीम में शामिल किया है। मुल्डर 75 लाख रुपये में एसआरएच से जुड़ेंगे। 27 वर्षीय मुल्डर ने अब तक 18 टेस्ट, 25 वनडे और 11 टी20 मैच खेले हैं। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 60 विकेट लेने के अलावा 970 रन भी बनाए हैं। वे दक्षिण अफ्रीका की चैंपियंस ट्रॉफी टीम का भी हिस्सा थे, जो सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड से हार गई थी। इस टूर्नामेंट में उन्होंने तीन मैचों में 6 विकेट लिए थे, जिसमें इंग्लैंड के खिलाफ 25 रन देकर 3 विकेट लेने का प्रदर्शन शामिल था। ब्रायडन कार्स को सनराइजर्स ने 1 करोड़ रुपये में खरीदा था, लेकिन भारत के खिलाफ व्हाइट-बॉल सीरीज के दौरान उनके बाएं पैर की अंगुली में पुरानी चोट फिर से उभर आई। हालांकि, वह ठीक हो गए थे, लेकिन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चैंपियंस ट्रॉफी के पहले मैच में खेलते समय उनकी चोट और गंभीर हो गई। इस मैच में उन्होंने 7 ओवर में 69 रन लुटाए, जिसके बाद वह पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो गए। सनराइजर्स हैदराबाद आईपीएल 2024 की उपविजेता रही थी, जहां फाइनल में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) से हार गई थी। टीम की कप्तानी पैट कमिंस कर रहे हैं, जो हाल ही में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में भारत के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया की 3-1 से जीत के दौरान चोटिल हो गए थे। कमिंस आईपीएल 2025 के लिए पूरी तरह से फिट हैं और 22 मार्च को ईडन गार्डन्स में केकेआर और आरसीबी के बीच होने वाले मुकाबले से लीग में वापसी करेंगे।

इंग्लैंड के नए वनडे कप्तान बन सकते हैं बेन स्टोक्स

लंदन। जोस बटलर के इस्तीफे के बाद इंग्लैंड के स्टार ऑलराउंडर बेन स्टोक्स सीमित ओवरों के क्रिकेट में टीम की कमान संभाल सकते हैं। इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के निदेशक रॉब की ने कहा हैं कि स्टोक्स के नाम पर विचार न करना बड़ी भूल होगी। टेस्ट क्रिकेट में अपनी रणनीतिक कुशलता साबित कर चुके स्टोक्स को अब वनडे टीम का नेतृत्व करने का मौका मिल सकता है। इंग्लैंड के लिए चैंपियंस ट्रॉफी 2025 बेहद निराशाजनक रहा, जहां टीम एक भी मैच नहीं जीत पाई। इस खराब प्रदर्शन के चलते बटलर ने टूर्नामेंट के बीच में ही कप्तानी छोड़ने का फैसला किया। इससे पहले भारत के खिलाफ वनडे सीरीज में भी इंग्लैंड को हार का सामना करना पड़ा था। बेन स्टोक्स हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण चैंपियंस ट्रॉफी में नहीं खेल पाए थे और 2023 विश्व कप के बाद से वनडे क्रिकेट से दूर हैं। हालांकि, उन्होंने पहले भी संन्यास के अपने फैसले को पलटते हुए वनडे में वापसी की थी। ईसीबी के निदेशक की ने स्टोक्स की कप्तानी की तारीफ करते हुए कहा कि वह टेस्ट क्रिकेट में खुद को शानदार रणनीतिकार साबित कर चुके हैं और टीम के खिलाड़ियों से बेहतरीन प्रदर्शन कराने की क्षमता रखते हैं। उन्होंने कहा, स्टोक्स ऐसा खिलाड़ी है जो दबाव के हालात में टीम की ढाल बनता है और अपने साथियों को आत्मविश्वास देता है। स्टोक्स इस समय अबूधाबी में इंग्लैंड लायंस अभ्यास समूह के साथ हैं और जून-अगस्त में भारत के खिलाफ होने वाली टेस्ट सीरीज से पहले फिट हो जाएंगे। की का मानना है कि स्टोक्स के नेतृत्व में इंग्लैंड की वनडे टीम में नई ऊर्जा आ सकती है, जैसा कि उन्होंने टेस्ट टीम के साथ किया। उनका इंग्लैंड के टेस्ट कोच ब्रेंडन मैकुलम के साथ भी अच्छा तालमेल है, जिससे उनकी दावेदारी और मजबूत हो जाती है। हालांकि, इंग्लैंड की सीमित ओवरों की टीम के हालिया प्रदर्शन को देखते हुए कोचिंग स्टाफ पर भी सवाल उठ रहे हैं। मैकुलम की देखरेख में इंग्लैंड ने अब तक 11 में से 10 वनडे मैच गंवाए हैं, जबकि 2022 से अब तक इंग्लैंड ने 35 में से 32 टेस्ट मैच जीते हैं। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि ईसीबी वनडे टीम की कप्तानी की जिम्मेदारी स्टोक्स को सौंपता है या किसी और खिलाड़ी को यह मौका मिलता है।

व्यापार

बीते सप्ताह शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव भरा कारोबार रहा

- सेंसेक्स 7.51 अंकों की गिरावट के साथ 74,332.58 पर बंद
- निफ्टी 7.80 मामूली बढ़त के साथ 22,552.50 स्तर पर बंद

मुंबई। वैश्विक बाजारों से मिलेजुले संकेतों के बीच बीते सप्ताह घरेलू शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव भरा कारोबार देखा गया। बीते सप्ताह शेयर बाजार में तेजी तो कभी गिरावट पर कारोबार होता रहा। बीते पांच कारोबारी दिनों पर नजर डालें तो शेयर बाजार हफ्ते के पहले कारोबारी दिन यानी सोमवार को हरे निशान पर खुला। हालांकि, जल्द ही बाजार लाल निशान पर भी आ गया। बीते हफ्ते गिरावट के सुनामी में फंसे निवेशकों के लिए दिन की शुरुआत तो अच्छी हुई, लेकिन यह खुशी ज्यादा देर नहीं टिकी। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 429.31 अंक चढ़कर 73,627.41 अंक पर खुला और 112.16 अंक की गिरावट के साथ 73,085.94 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 130 अंक बढ़कर 22,254.70 अंक पर खुला और 5.40 अंक की मामूली गिरावट के साथ 22,119.30 अंक पर बंद हुआ। मंगलवार को शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 347.07 अंक गिरकर 72,738.87 पर खुला और 96.01 अंक गिरकर 72,989.93 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 109.85 अंक गिरकर 22,009.45 पर खुला और 36.65 अंक फिसलकर 22,082.65 पर बंद हुआ। घरेलू शेयर बाजार बुधवार को हरे निशान पर खुला। सेंसेक्स 807.36 अंकों की बढ़त के साथ 73,800.38 रुपये के स्तर पर खुला और 740.30 अंक की छलांग के साथ 73,730.23 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 92.85 अंक चढ़कर 22,175.50 अंक पर खुला और 254.65 अंक की बढ़त के साथ 22,337.30 अंक पर बंद हुआ। गुरुवार को सेंसेक्स 71.90 अंकों की बढ़त के साथ 73,817.34 के स्तर पर खुला और 609.86 अंक उछलकर 74,340.09 पर बंद हुआ। निफ्टी 32.46 अंकों की मजबूती के साथ 22,369.75 के स्तर पर खुला और 207.40 अंक चढ़कर 22,544.70 के स्तर पर पर बंद हुआ। शुक्रवार को सेंसेक्स 62.42 अंक टूटकर 74,296.00 पर खुला और 7.51 अंकों की गिरावट के साथ 74,332.58 स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी 7.25 अंक फिसलकर 22,537.45 पर खुला और 7.80 मामूली बढ़त के साथ 22,552.50 स्तर पर बंद हुआ।

ट्रिपल फोल्डेबल स्मार्टफोन लाएगी सैमसंग

नई दिल्ली। हाल ही में साउथ कोरियाई कंपनी सैमसंग ने अपने गैलेक्सी अनपैक्ड इवेंट में बताया कि वह भी ट्रिपल फोल्डेबल स्मार्टफोन लाएगी। उसकी एक झलक कंपनी ने प्रेजेंटेशन में दिखाई थी। ताजा रिपोर्ट्स में बताया गया है कि सैमसंग के ट्राई-फोल्डेबल स्मार्टफोन का प्रोडक्शन जल्द शुरू हो सकता है। इस फोन को गेलेक्क्सी झेड सीरीज में आने वाले फोल्डेबल फोन्स के साथ लाया जा सकता है। यह लॉन्च इस साल की तीसरी तिमाही यानी जुलाई से सितंबर के बीच होने की उम्मीद है। सैमसंग गेलेक्सी ट्री फोल्ड पर लेटेस्ट इन्फर्मेशन आई है। इस साउथ कोरियाई पब्लिकेशन ने बताया है कि कंपनी अप्रैल महीने से जरूरी पार्ट्स को जुटाना शुरू करेगी और उसके साथ ही गेलेक्क्सी झेड सीरीज के फोल्डेबल फोन्स का प्रोडक्शन शुरू कर दिया जाएगा। रिपोर्ट में सुझाव दिया गया है कि कंपनी अपने ट्राई-फोल्ड फोन को जुलाई से सितंबर के बीच यानी तीसरी तिमाही में लॉन्च कर सकती है। उसी दौरान गेलेक्क्सी झेड फ्लीप को रिलीज किया जाएगा। एक सवाल यह भी पूछा जा रहा है कि सैमसंग के ट्राई-फोल्डेबल फोन का नाम क्या होगा। कुछ रिपोर्ट्स में कहा गया है कि फोन को गेलेक्सी जी फोल्ड कहा जा सकता है। यह जेड सीरीज में आने वाले फोल्ड से अलग होगा। इसकी वजह फोन का तीन बार मुड़ना है। हालांकि फोन का मुड़ने वाला मैकनिज्म, हुवावे के फोल्डेबल से अलग हो सकता है। कहा जाता है कि सैमसंग का ट्राई-फोल्ड अंदर की तरफ दो बार फोल्ड होगा। सैमसंग गेलेक्सी ट्री फोल्ड के स्पेसिफकेशंस पर काफी वक्त से चर्चाएं हैं। तमाम रिपोर्ट्स में कहा गया है कि फोन में 9.96 इंच का डिस्प्ले मिलेगा, जब उसे पूरा अनफोल्ड किया जाएगा। हालांकि हुवावे मेट एक्सटी में 10.2 का डिस्प्ले मिलता है। सैमसंग का ट्राई-फोल्ड, डिस्प्ले साइज में भले हुवावे के फोल्ड से कम हो सकता है, लेकिन सैमसंग के बाकी फोल्डेबल के मुकाबले वह बड़ा डिस्प्ले ऑफर करेगा। वजन में फोन उतना ही हो सकता है, जितना हुवावे का ट्राई फोल्ड है। हुवावे ट्राई फोल्ड का वजन 298 ग्राम है। हालांकि अंदर की तरफ मुड़ने के कारण सैमसंग ट्राई फोल्ड थोड़ा मोटा हो सकता है। बता दें कि तीन बार मुड़ने वाला स्मार्टफोन मेट एक्सटी सबसे पहले चीनी कंपनी हुवावे ने पिछले साल पेश किया था। फोन को कुछ वक्त पहले ही ग्लोबल मार्केट्स में रिलीज किया गया है।

ऑनलाइन गेमिंग सट्टे का खात्मा करने गूगल और मेटा जैसी कंपनियों का लेना होगा साथ

नई दिल्ली। रिसर्च इंस्टीट्यूशन 'डिजिटल इंडिया फाउंडेशन' ने एक रिपोर्ट में कहा कि गैरकानूनी ऑपरेटर डिजिटल विज्ञापन और मार्केटिंग चैनलों, भुगतान पारिस्थितिकी और सॉफ्टवेयर प्रदाताओं के बेहद परिष्कृत नेटवर्क के जरिये अपना संचालन बरकरार रखने में सफल रहते हैं। भारत में तेजी से बढ़ते अवैध ऑनलाइन गेमिंग सेक्टर के खात्मे के लिए जरूरी है कि सरकार गूगल और मेटा जैसी बड़ी टेक्नोलॉजी कंपनियों के साथ मिलकर प्रयास करे। रिपोर्ट कहती है, इस गैरकानूनी क्षेत्र का सालाना आकार 100 अरब डॉलर से अधिक है और यह प्रति वर्ष 30 प्रतिशत की दर से तेजी से बढ़ रहा है। ऐसा डिजिटल माध्यम को तेजी से अपनाने, प्रौद्योगिकी प्रगति और नियामकीय अनिश्चितता बढ़ने के कारण है। रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीय नियामकों को गूगल और मेटा जैसे सोशल मीडिया दिग्गजों के साथ सक्रिय रूप से सहयोग करने की जरूरत है क्योंकि ऑनलाइन जुए से संबंधित प्रचार पर लगाम लगा पाना काफी असंगत बना हुआ है। डिजिटल इंडिया फाउंडेशन के संस्थापक अरविंद गुप्ता ने कहा कि ऐसा होने से धनशोधन और अवैध भुगतान तेजी से बढ़ा है। उन्होंने कहा कि गूगल और मेटा जैसी कंपनियां विज्ञापन और सर्च इंजन ऑप्टिमाइजेशन (एसईओ) से लाभ कमाती हैं। शायद यही कारण है कि ये कंपनियां अक्सर अवैध सट्टेबाजी और जुआ फर्मों के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई करने में नाकाम रहती हैं। गुप्ता ने कहा, इन कंपनियों का कम-से-कम एक तिहाई हिस्सा इन वेबसाइट के जरिये ही आ रहा है। बड़ी प्रौद्योगिकी कंपनियां विज्ञापन से पैसा कमा रही हैं। प्रभावशाली लोग भी इसके प्रभाव को ध्यान में रखे बगैर गलत तरीके से इनका प्रचार कर रहे हैं।

इंफोसिस का नया आदेश, महीने में करीब 10 दिन ऑफिस से काम करें कर्मचारी

मुंबई। भारत की दिग्गज आईटी कंपनी इंफोसिस ने कहा है कि वह अपने अटेंडेंस सॉफ्टवेयर में कुछ बदलाव करेगा ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि कर्मचारी महीने में करीब 10 दिन ऑफिस से काम करें। इंफोसिस ने कहा कि यह नई पॉलिसी 10 मार्च, 2025 से लागू होगी। इन नए बदलावों से हर महीने वर्क-फ्रॉम-होम के दिनों की संख्या पर एक सीमा लगेगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस लागू करने के लिए, 10 मार्च, 2025 से सिस्टम में कुछ बदलाव किए जाएंगे, जिससे हर महीने वर्क-फ्रॉम-होम के दिनों की संख्या सीमित हो जाएगी। यह कदम नए हाइब्रिड वर्क नियमों का पालन सुनिश्चित करने के लिए उठाया गया है, जबकि कर्मचारियों को लचीलापन भी दिया जाएगा। कर्मचारियों में से जॉब लेवल 5 और उससे नीचे के कर्मचारियों पर इसका असर पड़ेगा। जेएल 5 कर्मचारी टीम लीडर होते हैं, जबकि इससे नीचे के रैंक में सॉफ्टवेयर इंजीनियर, सीनियर इंजीनियर, सिस्टम इंजीनियर और कंसल्टेंट शामिल हैं। मैनेजर, सीनियर मैनेजर, डिलीवरी मैनेजर और सीनियर डिलीवरी मैनेजर जेएल 6 और उससे ऊपर के रैंक में आते हैं। हालांकि, वाइस प्रेसिडेंट्स इसमें शामिल नहीं हैं। इंफोसिस चाहता है कि कर्मचारी ऑफिस आकर काम करें ताकि टीम के साथ बेहतर तालमेल बने और कंपनी के वर्किंग कल्चर को मजबूत किया जा सके। साथ ही, यह कदम कर्मचारियों के बीच सहयोग और इनोवेशन को बढ़ावा देने के लिए भी है। हालांकि, कंपनी ने यह भी सुनिश्चित किया है कि कर्मचारियों को फ्लैक्सिबिलिटी मिले और वे कुछ दिन घर से भी काम कर सकें।

अल्ट्रावायलेट का पहला इलेक्ट्रिक स्कूटर टेसरेक्ट लॉन्च

नई दिल्ली। दोपहिया वाहन निर्माता कंपनी अल्ट्रावायलेट का पहला इलेक्ट्रिक स्कूटर टेसरेक्ट लॉन्च हो गया। हाई-परफॉर्मेंस और फ्यूचरिस्टिक डिजाइन के साथ यह स्कूटर भारतीय बाजार में मौजूद इलेक्ट्रिक स्कूटर्स को कड़ी टक्कर देने वाला है।<इस स्कूटर की शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत पहले 10,000 ग्राहकों के लिए 1.2 लाख रुपये रखी गई है। टेसरेक्ट का डिजाइन एविएशन से प्रेरित है और इसमें कॉम्बैट हेलीकॉप्टरों जैसा अग्रेसिव और शार्प लुक दिया गया है। इसका फ्रंट एप्रन, फ्लोटिंग डीआरएल, डुअल एलईडी प्रोजेक्टर हेडलैंप और एंगुलर बॉडी इसे अलग पहचान देते हैं। यह स्कूटर तीन कलर ऑप्शंस - डेजर्ट, स्टेल्थ ब्लैक और सोनिक पिंक में उपलब्ध होगा। टेसरेक्ट को कई हाई-टेक फीचर्स से लैस किया गया है। इसमें 7-इंच का टीएफटी टचस्क्रीन डिस्प्ले, ऑनबोर्ड नेविगेशन, 34-लीटर अंडरसीट स्टोरेज, टोइंग अलर्ट और 14-इंच के व्हील्स दिए गए हैं। सेफ्टी के लिए यह ब्लाइंड स्पॉट मॉनिटरिंग, कोलिजन अवॉइडेंस, ओवरटेक अलर्ट, लेन चेंज असिस्ट, रियर कोलिजन अलर्ट, इंटीग्रेटेड डैशकैम और हैंडलबार पर हैप्टिक फीडबैक जैसी एडवांस टेक्नोलॉजी से लैस है। टेसरेक्ट एक बार चार्ज करने पर 261 किमी की आईडीसी रेंज प्रदान करता है। कंपनी ने इसके साथ अपने सुपरनोवा चार्जिंग नेटवर्क के विस्तार और यूरोपीय बाजार में प्रवेश की योजना भी बनाई है। यह स्कूटर डिजाइन, फीचर्स और परफॉर्मेंस के मामले में भारतीय ग्राहकों के लिए एक शानदार विकल्प साबित हो सकता है। इसकी इलेक्ट्रिक मोटर 20 एचपी की पावर जनरेट करती है, जिससे यह 0 से 80 किमी/घंटा मात्र 2.9 सेकंड में पकड़ सकता है। इसकी टॉप स्पीड 125 किमी/घंटा है, जो इसे पेट्रोल स्कूटर्स के बराबर बनाती है।

महिला दिवस पर री-रिलीज होगी प्रियंका चोपड़ा की फैशन

बड़े पर्दे पर देखें मॉडलिंग की दुनिया का सच

बॉलीवुड में अब पुरानी फिल्मों के री-रिलीज का चलन तेजी से बढ़ गया है. रोमांटिक से लेकर एक्शन तक हर जोनर की पुरानी फिल्में दोबारा थिएटर्स में चलाई जा रही हैं. हाल ही में ये जवानी है दिवानी, सनम तेरी कसम और तुंबाड जैसी फिल्में री-रिलीज होने के बाद थिएटर्स में छा गईं और अच्छा खासा कारोबार किया. बता दें, इंटरनेशनल महिला दिवस आगामी 8 मार्च को मनाया जाएगा. इस मौके पर महिला और मॉडलिंग में उनके संघर्ष की सच्ची कहानी पर बेस्ड फिल्म फैशन भी री-रिलीज होने जा रही है. प्रियंका चोपड़ा और कंगना रनौत स्टारर फिल्म फैशन के डायरेक्टर मधुर भंडारकर ने अपने एक्स हैंडल पर इसकी जानकारी दी है. मधुर भंडारकर ने अपने एक्स पोस्ट में लिखा है, फिल्म फैशन अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर री-रिलीज होने जा रही है, पीवीआर, इनॉक्स फिल्म फेस्टिवल (7 मार्च से 13 मार्च तक) में इस देख सकते हैं. बता दें, मधुर भंडारकर की फिल्म फैशन एक शानदार फिल्म है, जिसमें प्रियंका चोपड़ा और कंगना रनौत के किरदारों ने दर्शकों को खूब इंप्रेस किया था. फिल्म फैशन 29 अक्टूबर 2008 में रिलीज हुई थी, जिसमें मुग्धा गोडसे, अर्जन बाजवा औरकिट्टू गिडवानी ने शानदार रोल प्ले किए थे. इस फिल्म की आज भी चर्चा होती है. फैशन एक मिडिल लड़की की कहानी जो फैशन वर्ल्ड में अपना करियर बनाने और एक सुपर मॉडल बनने का सपना देखती है. इस लड़की का किरदार प्रियंका चोपड़ा ने प्ले किया है जिनके किरदार का नाम मेघना है. मेघना अपने सपने का पीछा करते हुए मुंबई पहुंचती है जहां उसे अहसास होता है कि फैशन वर्ल्ड में जगह बनाना कितना बड़ा संघर्ष है लेकिन वह हार नहीं मानती और अपने कॉन्फिडेंस से आगे बढ़ती रहती है. इस पूरी जर्नी में वह काफी कुछ खोती है. इसी बीच कंगना ने ऐसी लड़की का किरदार निभाया है जो फैशन में पहले ही एक सुपर मॉडल बन चुकी है. लेकिन चाकाचौंध के बीच वह अपने आप को खो देती है. इसी से मेघना डर भी जाती है और टूट जाती है. लेकिन इन सबके बावजूद कैसे मेघना अपने सपने को जीती है यही फिल्म में दिखाया गया है. प्रियंका चोपड़ा, कंगना रनौत, अरबाज खान स्टारर फैशन 2008 में रिलीज हुई थी इसे मधुर भंडारकर ने किया है. फिल्म की स्टोरी अजय मोंगा, भंडारकर और अनुराधा तिवारी ने लिखी है. इसका म्यूजिक सलीम-सुलेमान ने तैयार किया था और गाने के लिरिक्स इरफान सिद्दीकी और संदीप नाथ ने लिखे थे. फिल्म को दर्शकों और क्रिटीक्स ने खूब पसंद किया था. अब यह फिल्म फिर से बड़े पर्दे पर री-रिलीज होने के लिए तैयार है.

वेब सीरीज़ अक्का से कीर्ति और राधिका का फर्स्ट लुक आउट

कीर्ति सुरेश और राधिका आप्टे अभिनीत अक्का का पहला लुक जारी कर दिया गया है, और यह इतना अच्छा है कि इसे मिस नहीं किया जा सकता। वाईआरएफ एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित आगामी वेब सीरीज़ की घोषणा नेटफ्लिक्स द्वारा आयोजित एक भव्य कार्यक्रम में की गई। फ़र्स्ट लुक वीडियो में दमदार कीर्ति सुरेश को अपनी गर्ल गैंग के साथ लोगों से भरे कमरे में प्रवेश करते हुए दिखाया गया है, जबकि राधिका आप्टे को उनके ऑफ़िस में एक बड़ी कुर्सी पर बैठे हुए दिखाया गया है। वीडियो में सोने की छड़ें, बंदूकें और गहन दृश्यों की झलक भी दिखाई गई है, जो एक रोमांचक सवारी के लिए माहौल तैयार करती है। 1980 के दशक में दक्षिण भारत के काल्पनिक शहर पर्नूरु में सेट की गई अक्का गैंगस्टर रानियों की कहानी है, जिनके मातृसत्तात्मक शासन को तब चुनौती मिलती है जब कोई बाहरी व्यक्ति एक अदृश्य खतरा लेकर आता है। यह सीरीज कीर्ति सुरेश और राधिका आप्टे के किरदारों के इर्द-गिर्द घूमती है, जो सत्ता के लिए संघर्ष करते हैं, और शक्तिशाली महिलाओं की एक दुनिया को एक साथ लाते हुए दिखाती है। यह शो गेम-चेंजर होने का वादा करता है, राधिका आप्टे ने इसे इसके केंद्र में उग्र और शक्तिशाली महिलाओं का शो कहा है। बेबी जॉन के साथ हाल ही में बॉलीवुड में अपनी शुरुआत करने वाली कीर्ति सुरेश ने अक्का को सफल बनाने के लिए वाईआरएफ को धन्यवाद दिया। उन्होंने इस सीरीज़ को एक पूरी तरह से अलग दुनिया बताया, जिसे आपने पहले कभी नहीं देखा होगा। राधिका आप्टे, जो हाल ही में माँ बनने के कारण इस कार्यक्रम में शामिल नहीं हो सकीं, ने एक वीडियो संदेश भेजकर अक्का को गेम-चेंजर कहा। इस सीरीज़ का निर्देशन नवोदित धर्मराज शेट्टी कर रहे हैं और इसे इस साल के अंत में नेटफ्लिक्स पर रिलीज़ किया जाएगा। अक्का की रिलीज़ की तारीख की घोषणा अभी नहीं की गई है, लेकिन पहले लुक ने प्रशंसकों के बीच उत्साह पैदा कर दिया है। अपने प्रतिभाशाली कलाकारों, मनोरंजक कहानी और शक्तिशाली विषयों के साथ, अक्का एक रोमांचक सवारी होने का वादा करता है। अक्का पर अधिक अपडेट के लिए बने रहें, और इस नेटफ्लिक्स ओरिजिनल सीरीज़ में शक्तिशाली महिलाओं की दुनिया को एक साथ आते हुए देखने के लिए तैयार हो जाएँ।

श्रुति हासन ने बताई अपनी जिंदगी की कहानी

अभिनेत्री श्रुति हासन ने अपनी जिंदगी की कहानी शेयर की है और बताया है कि वह सुबह जल्दी उठने वाली व्यक्ति नहीं हैं। सिने आइकन कमल हासन की बेटी श्रुति ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर अपनी एक तस्वीर शेयर की है। यह तस्वीर श्रुति की एक सेल्फी लग रही है जिसमें वह कार की पिछली सीट पर बैठी हैं। उनके बाल गीले हैं और बहुत कम मेकअप में उनका लुक नेचुरल लग रहा है। फोटो में वह थोड़ी गंभीर दिख रही हैं। तस्वीर के नीचे लिखा है, मैं सुबह जल्दी नहीं उठती। मेरी जिंदगी की कहानी। श्रुति की ब्रिटिश मनोवैज्ञानिक थ्रिलर फिल्म 'द आई ने 5वें वेंच फिल्म फेस्टिवल की ओपनिंग फीचर के रूप में भारत में अपना प्रीमियर किया। ग्रीस के लुभावने परिदृश्यों पर आधारित, 'द आई में श्रुति ने डायना का रोल निभाया है। कहानी में डायना की भावनात्मक यात्रा दिखाई गई है जिसमें उनके पति का देहांत हो चुका है। फिल्म का निर्देशन डेफ्ने श्मोन ने किया है और इसका निर्माण फिंगरप्रिंट कंटेंट ने किया है। यह श्रुति हासन की बहुप्रतीक्षित अंतर्राष्ट्रीय शुरुआत है। सपना भवनानी द्वारा स्थापित, वेंच फिल्म फेस्टिवल भारत का अग्रणी मंच है जो हॉरर, साइंस-फिक्शन और फंतासी सिनेमा को समर्पित है। मनोवैज्ञानिक थ्रिलर, द आई एक गहन सिनेमाई अनुभव प्रदान करती है, जो दर्शकों को रोमांचित करता है। इसकी पटकथा अवार्ड विनिंग लेखका एमिली कार्लटन ने लिखी है और इसमें अंतर्राष्ट्रीय स्टार मार्क रोली, ब्रिटिश अभिनेता अन्ना सव्वा और लिंडा मार्लो भी हैं। फिल्म के बारे में बात करते हुए, श्रुति ने पहले साझा किया था कि जिस क्षण उन्होंने स्क्रिप्ट पढ़ी थी, उन्हें पता था कि यह फिल्म उसके लिए बनी है। उन्होंने कहा, मैं हमेशा ऐसी कहानियों की ओर आकर्षित हुई हूं, जिसमें प्रेम, अंधकार और आत्म-खोज जैसे विषय होते हैं, ऐसी अवधारणाएं जो मेरे साथ गहराई से गूंजती हैं। द आई ने मुझे स्क्रीन पर उन भावनाओं को उतराने का मौका दिया, और अविश्वसनीय रूप से प्रतिभाशाली टीम के साथ काम करने से अनुभव और भी खास हो गया।

जाह्नवी कपूर के जन्मदिन पर प्रशंसकों को मिला बड़ा तोहफा, आरसी16 से पहली झलक आई सामने

अभिनेत्री जान्हवी कपूर के 28वां जन्मदिन के खास दिन पर इनकी आगामी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'आरसी 16 के निर्माताओं ने एक्ट्रेस का एक लुक रिलीज करते हुए उन्हें जन्मदिन की बधाई दी है। साउथ इंडस्ट्री के चर्चित अभिनेता राम चरण और बॉलीवुड की अभिनेत्री जान्हवी कपूर की आगामी फिल्म 'आरसी 16 का पहला लुक सामने आया है। यह लुक एक्ट्रेस जान्हवी के जन्मदिन का खास तोहफा है, जो वृद्धि सिनेमा द्वारा शेयर किया गया है। इसमें एक्ट्रेस ट्रेक पैंट के साथ टीशर्ट पहने हुए दिख रही हैं और वह हाथ में एक बकरी लिए खुशी से झूम रही हैं। यह दृश्य गांव का है, जो फिल्म का एक बिहाइंड दी सीन है। हालांकि, इसमें एक्ट्रेस के किरदार के बारे में कोई खुलासा नहीं किया गया है। अभिनेत्री जान्हवी कपूर की पहली तेलुगु फिल्म देवरा थी। उसके बाद एक्ट्रेस की यह दूसरी तेलुगु फिल्म है, जिसका लोगों को बेसब्रसी से इंतजार है। इस फिल्म में कई बड़े कलाकार भी शामिल हैं। बुची बाबू सना के निर्देशन में बन रही फिल्म जल्द ही शीर्षक से भी पर्दा उठाने की योजना बना रही है। फिलहाल इस फिल्म का अस्थाई नाम आरसी 16 रखा गया है और कहा जा रहा है कि यह एक स्पोर्ट्स ड्रामा है, जिसमें क्रिकेट मुख्य विषय होगा। हाल ही में क्रिकेट से जुड़े कुछ मुख्य दृश्यों की शूटिंग एक विशेष रूप से बनाए गए स्टेडियम सेट में की गई। इस फिल्म में राम चरण बिल्कुल नए लुक में नजर आएंगे, जिसका संगीत एआर रहमान ने दिया है। इस फिल्म में जान्हवी कपूर को मुख्य भूमिका में हैं, जो राम चरण के साथ उनकी पहली फिल्म है। इस फिल्म का निर्माण पुष्पा के बैनर माइथ्री मूवी मेकर्स द्वारा किया जा रहा है। इनके अलावा कन्नड़ सुपरस्टार शिवराजकुमार जगपति बाबू, दिव्या शर्मा भी महत्वपूर्ण भूमिका में नजर आएंगे।

महारानी के चौथे सीजन का ऐलान, रानी भारती बन लौट रहीं हुमा कुरैशी; टीजर आया सामने

हाल ही में 'महारानी सीरीज के चौथे सीजन का टीजर रिलीज किया गया है, जिसमें हुमा कुरैशी सामाजिक और राजनीतिक उलझनों से लड़ती नजर आएंगी। महारानी के इस सीजन को दर्शकों को बेसब्री से इंतजार था। हाल ही में ओटीटी प्लेटफॉर्म सोनी लिव के यूट्यूब पर महारानी के चौथे सीजन का टीजर रिलीज किया गया है और हुमा ने भी अपने इंस्टाग्राम पर भी शेयर किया है। 50 सेकेंड के इसके टीजर में हुमा कुरैशी रानी भारती के किरदार में दिखने वाली हैं, जो बिहार की प्रधानमंत्री हैं। इसके टीजर में हुमा बिहार को अपना परिवार बता रही हैं और कह रही हैं अगर किसी ने उनके परिवार को नुकसान पहुंचाया तो वह उसकी सत्ता हिलाकर रख देंगी। साथ ही इसमें हुमा को चुनौतियों से लड़ते हुए दिखाया गया है। महारानी सीरीज का चौथा सीजन सामाजिक और राजनीतिक चुनौतियों से भरा नजर आ रहा है। महारानी वेब सीरीज के चौथे सीजन का टीजर रिलीज कर दिया गया है। इससे फैंस की बेसब्री सीरीज को लेकर और बढ़ चुकी है। हालांकि, अभी तक सीरीज के रिलीज डेट को लेकर कोई आधिकारिक सूचना नहीं आई है। महारानी सीरीज 2021 में सोनी लिव पर शुरू हुई थी।

Israeli tourist, homestay host raped in Hampi, male friend body found in canal

Agency: Two women, a 27-year-old Israeli tourist and a 29-year-old homestay owner, were gang-raped near Hampi in Karnataka on Thursday night. Three male companions, who were with the women, were also assaulted by the attackers and later thrown into a canal. One of the men's bodies was recovered from the waters this morning. According to the police, the incident happened between 11 and 11.30 pm on Thursday by Sanapur Lake - roughly 4 km from Hampi, which is a popular tourist attraction in Karnataka, especially among foreigners. Four tourists, including an Israeli woman, three males from Odisha, the US and Maharashtra, respectively, along with their female homestay owner had gone stargazing after dinner. The group was sitting by the bank of the Tungabhadra Canal near the lake, playing guitar and enjoying music while stargazing, police said. At this time, three bike-borne men approached the group and asked them for directions to a petrol pump. When the homestay owner informed the individuals that there was no station nearby, they demanded cash from the group. On refusal, the miscreants - who spoke Kannada and Telugu - misbehaved with the group and began assaulting them. The homestay owner, who filed the complaint, said that the attackers pushed the male tourists into a canal. Then, while they struggled to come out of the water, two of the three attackers raped her and the Israeli tourist. According to the FIR reported by agency, the accused dragged the homestay owner to the side of the canal, where one of them tried to strangle her and removed her clothes. Then, two of them thrashed and raped her. They also snatched her bag, stealing two mobile phones and Rs 9,500 in cash. Similarly, the third attacker dragged the Israeli tourist to a spot and raped her. Then, the men fled on the motorbike. Pankaj from Maharashtra and Daniel from the US managed to come out of the canal, and are currently undergoing treatment at a government hospital. However, the tourist from Odisha failed to come out, and his body was found this morning, police said. "Yesterday, around 11.30 PM, two women and three men, four tourists, visited Hampi and other nearby places. They stayed at a private homestay. One woman and three men, along with the female owner of the homestay, went out to look at the stars and talk. Three young men on a motorbike approached them, asking for petrol, and stating that they didn't have money to buy it and requested money. They were given Rs 20, but the men on the bike demanded Rs 100. An argument ensued, leading to a physical altercation. The men on the bikes fell into the water," Lokesh Kumar, senior cop, told agency. "The group then went to a private resort and reported the incident to the police station, All four victims claimed they were sexually assaulted and have been sent for medical examination. The three men, who are believed to be locals, came on a motorbike," he added. The police, along with fire department officials and doq squads, had been searching for the missing tourist since the incident happened. Another special police team is working to track down the suspects. An FIR under multiple sections of the Bharatiya Nyaya Sanhita (BNS) has been registered in the case. These include Sections 309(6) (theft of extortion), 311 (robbery with intent to cause death or serious injury), 70(1) (gang-rape), and 109 (attempt to murder). With one of the male tourists' bodies being recovered now, details of the murder are expected to be added to the FIR.

Bring back Khilafat: Banned Islamist organisation marches in Bangladesh

Agency: Chanting 'Khilafat, Khilafat', hundreds of people marched on the streets of Dhaka. What should have surprised many is that the 'March For Khilafat' was organised by Hizb-ut-Tahrir, a radical Islamist organisation banned by Bangladesh in 2009. The march by the outlawed organisation, which seeks an Islamic Caliphate, comes amid regular shows of strength by radical outfits in Bangladesh that is now being ruled by a caretaker government under Nobel laureate Muhammad Yunus. The huge rally by Hizb-ut-Tahrir started from the Baitul Mukarram National Mosque after Friday prayers and was attended by thousands of activists. Police attempted to block the rally, but protesters clashed with them. Authorities had to resort to the use of tear gas and sound bombs to disperse the protesters. The rally has raised concerns about the heightened activities of banned Islamist groups in Bangladesh amid political uncertainty. The Hizb-ut-Tahrir was banned by the government of Sheikh Hasina, who was forced to flee Bangladesh on August 5 after a quota agitation turned into a regime-change movement. A former minister in Hasina's ministry alleged that Bangladesh was heading towards "Talibanisation" under the Yunus government.

"The Islamist organisation Hizb-ut-Tahrir was banned by Sheikh Hasina. Because of her strong stance against jihadists and Islamic extremists, followers of these groups always hated her; therefore, they also had a violent participation in the movement against her government in July-August," said Mohammad A Arafat, who was the junior minister for Information and Broadcasting in the Hasina government. The rise of radical outfits in Bangladesh is also a security concern for India. India banned Hizb-ut-Tahrir and all its front organisations in October 2024 under the stringent anti-terror UAPA law. Two Hizb-ut-Tahrir members were arrested in February this year by the NIA from Tamil Nadu. Despite being banned in Bangladesh since 2009, Hizb-ut-Tahrir supporters gathered in large numbers and started their protest. The Dhaka Metropolitan Police had issued prior warnings against public gatherings by banned organizations, yet protesters, chanting slogans like "Khilafat, Khilafat", moved forward, attempting to push past security barricades, according to a Reuters report. Law enforcement officers struggled to contain the protest. So they resorted to firing tear gas and deploying sound grenades to disperse the crowd. The protesters initially scattered but soon regrouped and attempted to resume their march. Videos on the internet show that the violent clashes disrupted traffic and daily life in the surrounding areas, with locals forced to seek shelter as the clash happened. The police have since increased surveillance around key locations in Dhaka to prevent further unrest. It is not the first protest this year, as Hizb-ut-Tahrir supporters also demonstrated in February against US policy on the shifting of Muslims in Gaza. Hizb-ut-Tahrir is an Islamist organisation founded in Jerusalem in 1953. It aims to establish a global Islamic Caliphate, uniting Muslim-majority nations under a single religious government. While the group claims to promote its agenda through peaceful means, several governments have deemed it a security threat due to its radical ideology. In Bangladesh, Hizb-ut-Tahrir was banned in October 2009 after authorities accused it of inciting extremism and threatening national security.

Delhi approves Rs 2,500 monthly aid under Mahila Samriddhi scheme on Women's Day

Agency: Delhi Chief Minister Rekha Gupta on Saturday announced that the Rs 2,500 financial aid for women under the Mahila Samriddhi Scheme has been approved, after days of speculation and war of words between the BJP and the Aam Aadmi Party. A special committee led by Rekha Gupta and also comprising ministers Ashish Sood, Virender Sachdeva, and Kapil Sharma will oversee the implementation of the scheme. Also, a portal will be launched where eligible beneficiaries can register. Terms and conditions will also be laid on the same portal. The scheme is open to women living in Delhi aged between 18 and 60 years with an annual family income below Rs 3 lakh and those who are not required to pay income tax. It does not include government servants and individuals already getting financial assistance under other welfare schemes of the government. The Delhi government held a Cabinet meeting chaired by Rekha Gupta and took the decision to approve the scheme with an annual budget of Rs 5,100 crore on International Women's Day. "Today is Women's Day. Looking at the auspicious occasion, we had our Cabinet meet and, in the presence of all the ministers, we approved the Rs 2,500 financial aid under the Mahila Samriddhi Yojana as promised to our sisters in Delhi during our poll campaign," Chief Minister Rekha Gupta said while addressing the media on Saturday. "We made a provision of Rs 5,100 crores in the Delhi budget for the implementation of the scheme so that our sisters in Delhi can benefit from it," she added. "The scheme will leverage advanced technology to ensure transparency, efficiency, and seamless disbursement of financial benefits and Aadhaar-based e-KYC will be used," a government statement said. "This initiative is a step towards fulfilling our promise to the women of Delhi. By providing direct financial assistance, we are ensuring economic security, greater independence, and empowerment for women across the city. This scheme is not just a financial benefit but a commitment to building a stronger, more self-reliant community of women in Delhi," it added.

Congress to hold all-India meet of district committees to strengthen party's base

Agency: The Congress will hold a mega all-India meet of the District Congress Committees (DCCs) to give a major revamp to its organisational set-up, people familiar with the development told The Tribune on Saturday. The meeting of the representatives, mostly the party's workers from nearly 700 DCCs, will be held a week ahead of the party's scheduled All India Congress Committee (AICC) meet in Gujarat on April 8 and 9. After suffering successive setbacks, the Congress has taken a decision to give more voice to its workers at the district level. The decision, as per the party insiders, has been taken to strengthen the party at the grassroots level. At the meet, which will be held at the party's newly launched headquarters Indira Bhawan at 9-A Kotla Marg, critical aspects of the organisation's functioning would be discussed.

"We will brainstorm and churn out new ideas. Roles will be defined. It is expected that more autonomy would be given to DCCs so that they would have more say in the organisation. Our priority is to empower DCCs," said a party's senior leader. The development comes after the party, in continuation of its Belagavi announcement, said it has decided to launch 'Samvidhaan Bachao Yatra' from April this year. The party insiders said the focus would be on having a dialogue with the people at the ground level and also to know their aspirations. Party insiders said the yatra would be held simultaneously across the country and unlike 'Bharat Jodo Yatra', it would be a relay type yatra. It would start from Ahmedabad, they said.

Bangladeshi smugglers attack BSF party, 1 miscreant killed

Agency: A BSF party was attacked by Bangladeshi miscreants near the border area of Raiganj in Darjeeling district of West Bengal during the early hours of Saturday, in which one jawan was severely injured. The attack was carried out by a group of around 15 to 20 miscreants who had crossed over into the Indian territory and were also joined by some Indians. This is the second attack on a BSF party by Bangladeshi smugglers within a week. BSF sources said that the group had entered the Indian territory with the intention of smuggling cattle and contraband. The BSF party detected the intrusion and asked them to surrender. However, the miscreants attacked the party with sharp-edged weapons and lathis, besides pelting stones at them.

In retaliation, the BSF personnel fired non-lethal ammunition like stun grenade and PAG to disperse the miscreants, but they did not leave the area and continued fighting with the party and tried to snatch their weapons. As a result, one BSF jawan on duty was badly injured in the attack. The jawan fired from his INSAS to deter the attackers, who fled from there, taking advantage of darkness. One unknown person, however, succumbed to his injuries, sustained during the attack.

Two cows along with an iron sword and lathis used in the attack were seized from the spot. A breach of the international boundary fence was also detected by the BSF personnel. The injured BSF jawan was taken to a hospital after first aid and his condition is reported to be stable. This is the second such incident of attack on BSF personnel in a week. On the evening of February 28, a Bangladeshi smuggler had died and a BSF jawan was injured during a clash along the India-Bangladesh border with Tripura.

UP man gives 'supari' for wife, her lover, but killers murder his son

Agency: Hiring professional killers to eliminate his estranged wife and her lover cost the man his son, who was murdered by the assassins in a fit of rage over a dispute related to advance payment for the contract. The police on Friday arrested four accused and recovered the murder weapon within 24 hours of Anjani Sahu lodging a complaint regarding the murder of his son, Vinayak Sahu. A special investigation team was formed under senior police officials, which conducted an on-site inspection and collected evidence. With assistance from the Surveillance Team, the police, acting on a tip-off, arrested four accused near Omaxe Metro City Underpass (Kisan Path) on Friday. The arrested persons are Shivam Rawat (20), Ashish Kumar (21), Amir Alam (22), and Shiva Rawat (20). The police recovered the murder weapon, a blood-stained knife, based on the accused's confession. DCP Singh said that during interrogation it was revealed that Vinayak Sahu and his father, Anjani Kumar, allegedly hired the accused to kill Vinayak's mother, Shanti Sahu, and her second husband, Imran. Shanti left Anjani to live with Imran, which prompted the father-son duo to plan revenge. Vinayak promised to give an auto-rickshaw to Amir and Ashish and a sum of Rs 2.5 lakh to Shivam and Shiva for the murder. On March 5, when the accused demanded an advance of Rs 1.5 lakh, Vinayak refused, leading to an altercation. During the argument, Vinayak allegedly threatened to kill them all. Under the influence of alcohol, the accused stabbed Vinayak in the neck, killing him instantly. The DCP said that police recovered two empty beer cans (Kingfisher brand), a blood-stained knife with its wrapper, a pair of slippers, two active Android mobile phones, a blood-stained cloth (Gamcha), blood samples collected using cotton swabs, broken glass bottle fragments, two disposable glasses, two blood-stained gloves, and a fingerprint card, which gave crucial leads about the presence of people on the spot and finally led to their arrest.

Pakistan smugglers pushing free meth to fuel addiction in Punjab

Agency: Pushed to the brink by heightened security measures, smugglers from across the border have come up with a new strategy — bundling free samples of ICE (crystal meth) with heroin packets in a bid to lure more Punjab youth in the grip of addiction. ICE, or crystal meth, is typically a synthetic drug, but this new wave of supply is plant-based, sourced from Afghanistan. It is derived from ephedra plant, which grows wild in that region. Cheaper, more potent and alarmingly accessible, this Afghan-made ICE is meant to target the state's youth, while becoming a challenge for law enforcement agencies to curb its spread. Facing heightened security, smugglers bundling free samples of ICE with heroin to lure Punjab's youth. Afghan-made ICE is a cheaper and more potent plant-based drug derived from ephedra plant Smugglers pushing ICE following 70% drop in opium cultivation in Afghanistan amid Taliban ban. Despite the Taliban's ban on opium cultivation since 2021, the growth of ephedra plant remains unchecked. Punjab police officials report that the supply of heroin, which is chemically derived from opium, has been significantly impacted by the opium ban. There has been a 70 per cent reduction in opium cultivation and smugglers have been relying on existing stockpiles.

However, in recent months, the authorities have observed a new trend: Pakistani smugglers, who traditionally smuggle heroin from Afghanistan, are now offering free samples of ICE in a "one-plus one" kind of scheme. In 2024 alone, the state police seized a record 22 kg of ICE, a staggering 11-fold increase compared to the 2 kg seized in 2023. In the last five days, an additional 2 kg of ICE has been seized in a special anti-drug operation. Haji Salim, also known as Haji Baloch, a Pakistan-based drug lord considered one of the world's largest smugglers, is reportedly behind the large-scale supply of ICE. "He operates a vast global network and is now shifting focus to ICE produced in Afghanistan," revealed a police official. ICE is significantly cheaper internationally, costing about one-tenth the price of heroin, and its dosage is similarly smaller. The police have documented numerous instances where ICE was sent via drones alongside heroin shipments to Punjab. Interrogation of captured smugglers confirmed that ICE was being distributed free of cost, the official said. As per a report in Chemical and Engineering News (C&EN), ephedra — grown wild across Afghanistan's mountainous central highlands for centuries -- is behind the dramatic growth in methamphetamine or ICE industry. The report said while most methamphetamine was typically synthesised from ephedrine, a chemical found in cold and cough medicines, Afghan producers began experimenting with extracting ephedrine directly from the ephedra plant in 2015. By 2018, they achieved success. Following the Taliban's ban on opium, ICE production surged. The United Nations Office on Drugs and Crime (UNODC) reports that this shift has led to exponential growth in the industry, with profits flowing into Taliban coffers.

CBI cracks down on gold smuggling gangs, registers FIR after *Ranya Rao's* arrest

Agency: The Central Bureau of Investigation on Satruday registered a case against gangs involved in smuggling gold into India through various airports. Officials confirmed on Saturday that the agency is working closely with the Directorate of Revenue Intelligence to dismantle these operations, PTI reported.

The move comes after the recent arrest of Kannada actress Ranya Rao, who was caught carrying 14.2 kg of gold worth Rs 12.56 crore at Bengaluru's Kempegowda International Airport. Two CBI teams have been dispatched to Mumbai and Bengaluru airports to collect further information. Ranya Rao, known for her roles in Kannada films like Maanikya and Pataki, was detained by the DRI upon her arrival from Dubai on March 3. Authorities allege that she was attempting to smuggle 17 gold bars, weighing 14.8 kg, into the country. She was produced before a special court for financial offences on March 4 and has been remanded in judicial custody until March 18. The court has permitted her to meet her lawyer for half an hour each day and has instructed officials to ensure she is provided with basic necessities. Following her arrest, an image of Ranya with swollen eyes and bruises circulated on social media, sparking speculation of possible assault during custody, as per news agency PTI. Karnataka State Commission for Women Chairperson Nagalakshmi Chaudhary addressed the concerns but stated that the commission could not investigate unless a formal complaint was filed. She condemned any potential mistreatment, adding that no one has the right to take the law into their own hands. sThe case has also brought renewed scrutiny to the misuse of airport protocol services. Reports suggest that certain privileges meant for high-ranking officials were exploited to facilitate gold smuggling. In response, the Karnataka government has decided to revise standard operating procedures, restricting protocol services strictly to officials themselves, rather than their family members or associates. Additional Chief Secretary (Home) Umashankar SR confirmed the decision, stating that security measures would no longer extend to relatives of senior bureaucrats. Meanwhile, sources indicate that a protocol staffer at Kempegowda International Airport was briefly detained by the DRI after Ranya's arrest. However, he was later released after stating that he had been instructed to receive a senior officer's daughter and was unaware of the smuggling attempt.

In a voluntary statement to the DRI, Ranya admitted to possession of the gold, acknowledging that 17 gold bars were recovered from her. She described herself as an artist, wildlife photographer, and real estate freelancer in Dubai. Her case remains under investigation as authorities expand their probe into the smuggling network.